आज का विचार

न दूर रहने रिश्ते टूट जाते हैं न पास रहने से जुड़ जाते हैं ये तो एहसास के पक्के धागे है जो याद करने से और पक्के हो जाते हैं।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 15 अक्तूबर, 2024 वर्ष 22, अंक 253, मूल्यः 3 रुपए RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचेंगे विदेश मंत्री जयशंकर

एजेंसी

लाहौर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचने वाले हैं। पिछले कई वर्षों से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में जारी तनाव के बीच भारत की ओर से पाकिस्तान की यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा होगी। अधिकारियों ने बताया कि इस्लामाबाद पहुंचने के तुरंत बाद विदेश मंत्री जयशंकर एससीओ सदस्य देशों के स्वागत के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मेजबानी में आयोजित स्वागत भोज में शामिल होंगे।

दोनों पक्षों ने एससीओ शासनाध्यक्षों के शिखर सम्मेलन से इतर जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच किसी भी द्विपक्षीय वार्ता से इनकार किया है। करीब नौ साल बाद यह पहला मौका है जब भारत के

विदेश मंत्री पाकिस्तान की यात्रा करेंगे, जबकि कश्मीर मुद्दे और पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में अब भी बर्फ जमी हुई है। ऐसी सूचना है कि जयशंकर पाकिस्तान में 24 घंटे से भी कम समय रुकेंगे। पाकिस्तान एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी कर रहा है जो 15 और 16 अक्टूबर को होगी। पाकिस्तान की यात्रा करने वाली भारत की आखिरी विदेश मंत्री सुषमा स्वराज थीं। उन्होंने अफगानिस्तान पर एक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दिसंबर 2015 में इस्लामाबाद की यात्रा की थी। पाकिस्तान ने एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अगस्त में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न्योता दिया था। जयशंकर की पाकिस्तान की यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसे भारत की ओर से एक अहम निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। एक कार्यक्रम में अपने हालिया संबोधन में जयशंकर ने कहा था, किसी भी पड़ोसी देश की तरह भारत निश्चित रूप से पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहेगा। लेकिन यह सीमापार आतंकवाद को नजरअंदाज करके और ऐसी (सीमा पार आतंकवाद खत्म करने की) इच्छा करने से नहीं हो सकता। इस सम्मेलन के लिए वरिष्ठ मंत्री को भेजने का फैसला एससीओ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारत के लड़ाकू विमानों द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर बमबारी के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में जबरदस्त तनाव आ गया था। पांच अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से विशेष दर्जा वापस लिए जाने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने की भारत की घोषणा के बाद संबंध और बिगड़ गए। भारत द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारत से अपने राजनयिक संबंधों को सीमित कर लिया था। भारत यह कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी जैसा रिश्ता चाहता है जबकि उसने इस बात भी जोर दिया कि इस तरह की बातचीत के लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त माहौल बनाने की जिम्मेदारी पड़ोसी देश पर है। पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने गोवा में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए मई 2023 में भारत की यात्रा की थी। करीब 12 साल बाद किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री की भारत की यह पहली यात्रा थी।

कार्यबल के लिए भारतीय प्रतिभा की ओर रुख करें: विदेश मंत्री जयशंकर ने मित्र देशों से कहा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित कार्यबल की आवश्यकता और बढ़ने वाली है तथा मित्र देशों को अपने यहां कार्यबल की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भारतीय प्रतिभा की ओर रुख करना चाहिए। जयशंकर ने यहां ई-माइग्रेट वी2.0 पोर्टल और एक मोबाइल ऐप की शुरूआत करने के बाद अपने मुख्य भाषण में यह भी कहा कि सरकार भारतीय प्रवासियों से संबंधित सुरक्षित और कानूनी चैनल बनाने के प्रयासों में दृढ़ रहेगी। इस अवसर पर केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया तथा विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा भी मंच पर मौजूद थे, जबकि कई देशों के राजदूत और अन्य लोग दर्शकों के बीच उपस्थित थे। जयशंकर ने कहा, ई-माइग्रेट पोर्टल का नया संस्करण एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से कहीं अधिक है। यह आशा की किरण है और विदेशी भूमि पर हमारे श्रमिकों के अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विदेश मंत्री ने रेखांकित किया कि पोर्टल में संवर्धन नयी वास्तविकताओं और परिवर्तन को दशार्ता है। उन्होंने कहा, ऐसे श्रमिकों की वैश्विक आवश्यकता है जिनके पास अपने विशेष क्षेत्रों में विशिष्ट ज्ञान है। कई कारणों से, विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित कार्यबल की आवश्यकता और बढ़ने वाली है। जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार भारतीय प्रवासियों के लिए सुरक्षित और कानूनी चैनल बनाने के प्रयासों में दृढ़ रहेगी। उन्होंने कहा कि ई-माइग्रेट संस्करण 2 पोर्टल को डिजिलॉकर के साथ भी एकीकृत किया गया है और यह भी डिजिटल परिवर्तन में एक बड़ा कदम है। जयशंकर ने कहा कि इससे प्रवासियों को कागजी प्रतियों के बिना डिजिलॉकर के माध्यम से मंजूरी प्राप्त करने के लिए विभिन्न दस्तावेज जमा करने में मदद मिलेगी, साथ ही उन्हें सुरक्षित रूप से संगृहीत किया जा सकेगा और पासपोर्ट, रोजगार अनुबंध जैसे उनके सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज वास्तव में सुरक्षित रहेंगे।

सीएम मान की कोशिशें रंग लाई; भारत सरकार ने मिल मालिकों और आढ़तियों की मुख्य मांगें मानी

मुख्यमंत्री ने मिल मालिकों और आढ़तियों से किए वादे पूरे किए; केंद्र सरकार के समक्ष उठाए मुद्दे

सिटी दर्पण

नई दिल्ली/चंडीगढ़

- केंद्र सरकार ने अतिरिक्त स्टोरेज क्षमता के लिए 31 मार्च 2025 तक राज्य से 120 लाख मीट्रिक टन अनाज उठाने की सहमति दी
- एफ.सी.आई. के डिपो में चावल की डिलीवरी के लिए लगने वाले ट्रांसपोर्टेशन खर्च की भरपाई करेगी भारत सरकार
- समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए ड्रायेज की 1 प्रतिशत बहाली की मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन
- कम पानी की खपत वाली धान की किस्मों को लाने के लिए केंद्रीय मंत्री ने पंजाब की सराहना की
- आढ़तियों का कमीशन एम.एस.पी. का 2.5% बहाल करने पर केंद्र विचार करेगा

पंजाब के आढ़तियों और चावल मिल मालिकों को बड़ी राहत देते हुए केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री के साथ बैठक के दौरान उठाई गई प्रमुख मांगों को मान लिया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्राद जोशी से मुलाकात के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में धान की खरीद एक त्यौहार की तरह होती है। उन्होंने बताया कि पंजाब की अर्थव्यवस्था इस खरीद सीजन पर निर्भर करती है और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह सीजन बहुत महत्वपूर्ण है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि मौजूदा खरीफ खरीद सीजन 2024-25 के दौरान पंजाब में 185 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की संभावना है और मिलिंग के बाद 125 लाख मीट्रिक टन चावल की डिलीवरी का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा सीजन के दौरान स्टोरेज की कमी लगातार हो रही है और अब तक सिर्फ सात लाख मीट्रिक टन क्षमता ही उपलब्ध है, जिससे राज्य के मिल मालिकों में व्यापक असंतोष है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे मंडियों में धान की खरीद/उठान पर बुरा असर पड़ रहा है, जिससे किसानों के बीच भी नाराजगी बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री प्राद जोशी से अपील की कि खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए 31 मार्च 2025 तक राज्य से कम से कम 20 प्रतिशत अनाज की उठान सुनिश्चित की जाए। इसके लिए ओएमएसएस/इथेनॉल के लिए निर्धारित/निर्यात/कल्याण योजनाओं और अन्य श्रेणियों के तहत चावल की उठान बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री जोशी ने मार्च 2025 तक राज्य से 120 लाख मीट्रिक टन धान की उठान सुनिश्चित करने पर सहमति जताई।

चावल की डिलीवरी के लिए मिल मालिकों को परिवहन खर्च की अदायगी का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि कई बार मिलिंग केंद्रों में स्टोरेज की जगह न होने के कारण एफसीआई मिल मालिकों को अपने डिपो पर चावल पहुंचाने के लिए कहता है, जो अधिकांश मामलों में 50 से 100 किलोमीटर के दायरे में होते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि कई मामलों में ये डिपो राज्य के बाहर भी स्थित होते हैं, जिससे मिल मालिकों पर परिवहन लागत के रूप में अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की लागत चावल मिल मालिकों और राज्य की खरीद एजेंसियों के बीच हुए द्विपक्षीय समझौतों में शामिल नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए एफसीआई के डिपो तक चावल की डिलीवरी के लिए आने वाले अतिरिक्त परिवहन खर्च की पूर्ति करने की मांग जायज है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अपील की कि मिल मालिकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाए और उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि चावल की डिलीवरी के लिए परिवहन खर्च की अदायगी वास्तविक दूरी के अनुसार की जानी चाहिए और इसमें बैकवर्ड चार्ज और अन्य खर्चों की कटौती न हो। इस मुद्दे के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने भगवंत सिंह मान को आश्वासन दिया कि इस संबंध में मिल मालिकों को आने वाले परिवहन खर्च को केंद्र सरकार वहन करेगी।

धान की ड्राइएज का मुद्दा उठाते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि दशकों से एमएसपी पर खरीद के लिए एक प्रतिशत ड्राइएज की अनुमति थी, जिसे बिना किसी विचार-विमर्श और बिना वैज्ञानिक सर्वेक्षण के 2023-24 के खरीफ सीजन में डीएफपीडी द्वारा एकतरफा घटाकर 0.5 प्रतिशत कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे चावल मिल मालिकों को अनावश्यक वित्तीय नुकसान हुआ है, जो पहले से ही भंडारण के लिए जगह की कमी के कारण वित्तीय दबाव में थे और इससे उनके बीच असंतोष और बढ़ गया है। उन्होंने आगे कहा कि जैसे स्थान की कमी के कारण पिछले मिलिंग सीजन को 31 मार्च से आगे बढ़ाया गया था, जिसके परिणामस्वरूप गर्मी के मौसम के कारण अप्रैल से 24 जुलाई तक धान के सूखने/वजन घटने/रंग बदलने के कारण अधिक नुकसान हुआ था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि खरीफ सीजन 2023-24 से पहले की तरह ड्राइएज को एमएसपी के एक प्रतिशत तक बहाल किया जा सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अल्जीरियाई राष्ट्रपति तब्बौन से वार्ता की

एजेंसी

अल्जीयर्स

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देल मजीद तब्बौन से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई। मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण के तहत रविवार को यहां पहुंचीं, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की पहली अल्जीरिया यात्रा है।

विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत-अल्जीरिया के संबंधों को गति प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देल मजीद तब्बौन से मुलाकात की। मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा गया, दोनों नेताओं ने भारत-अल्जीरिया संबंधों की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम करने पर राजी हुए। अल्जीरिया में भारतीय दूतावास की वेबसाइट के अनुसार 2022-23 के दौरान भारत से अल्जीरिया को निर्यात 61.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर था जो 2023-24 में बढ़कर 84.816 करोड़ डॉलर हो गया। 2022-23 के दौरान भारत का आयात 1.5 अरब डॉलर था और 2023-24 के दौरान 88.554 करोड़ डॉलर हो गया।

भारत द्वारा अल्जीरिया को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों में चावल, दवा उत्पाद, पॉलीएथिलीन टेरेफ्थेलेट, ग्रेनाइट और बोनलेस मांस शामिल है। अल्जीरिया से भारत द्वारा आयातित उत्पादों में मुख्य रूप से पेट्रोलियम तेल, एलएनजी, प्राकृतिक कैल्शियम फॉस्फेट, संतृप्त मेथनॉल और यूरिया शामिल है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आज दिन में यहां मकम एचाहिद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और अल्जीरिया की आजादी की लड़ाई में जान गंवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति ने मोउदजाहिद में नेशनल म्यूजियम का भी दौरा किया जो आजादी के लिए अल्जीरिया के संघर्ष की याद दिलाता है। रविवार को अल्जीरियाई राजधानी में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान मुर्मू ने कहा कि नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ अल्जीरिया के प्रमुख 50 के दशक के अंत और 60 के दशक की शुरूआत में भारत में मौजूद थे और जब 1962 में अल्जीरिया स्वतंत्र हुआ, तो भारत अल्जीरिया का समर्थन करने के लिए वहां मौजूद था और हमने तुरंत नए राष्ट्र के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। भारतीय मिशन के अनुसार, अल्जीरिया में विभिन्न परियोजनाओं और प्रतिष्ठानों में लगभग 3,800 भारतीय काम कर रहे हैं, उनमें से कई तकनीकी रूप से कुशल व्यक्ति हैं जो दूरदराज के क्षेत्रों में परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रमिक अर्द्ध-कुशल हैं और राज मिस्त्री, लकड़ी का काम करने वाले, पेंटर और वेल्डर के रूप में काम करते हैं। राष्ट्रपति मुर्मू अल्जीरिया के बाद मॉरिटानिया और मलावी की यात्रा करेंगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुवाहाटी के मां कामाख्या मंदिर में की पूजा-अर्चना

सिटी दर्पण

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी के साथ असम के गुवाहाटी स्थित कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश और प्रदेशवासियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष श्री मोहनलाल बडोली भी मौजूद रहे।

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे मां के दर्शन करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि वे चुनाव से पहले भी कामाख्या मंदिर में दर्शन करने के लिए आए थे और आज एक बार फिर माँ के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्होंने माता से कामना की है कि सभी प्रदेशवासी स्वस्थ रहें और हरियाणा प्रदेश के विकास की इस गाथा में मजबूती से अपना योगदान देते रहें। उन्होंने कहा कि हमें जो बहुमत मिला है, उसके लिए मैं प्रदेशवासियों का धन्यवाद करता हूं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद आतिशी की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात थी। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात के बाद उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार और उनकी सरकार के बीच पूर्ण सहयोगात्मक संबंध रहेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की जानकारी दी। हालांकि, इस संबंध में विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया गया। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मामले में जेल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद आतिशी उनकी उत्तराधिकारी बनीं। आतिशी ने एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से आज मुलाकात की। मैं हमारी राजधानी के कल्याण और प्रगति के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच पूर्ण सहयोग की आशा करती हूं।

दिल्ली की आप सरकार का केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार एवं उप राज्यपाल कार्यालय से शासन और सेवाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध है।

आज का कार्टून

नीतीश और राहुल की मुलाकात की पुरानी तस्वीर गलत दावे के साथ वायरल

एजेंसी

नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राजद नेता तेजस्वी यादव भी नजर आ रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि यह तस्वीर दोनों नेताओं की हालिया मुलाकात की है। यूजर्स इस तस्वीर के जरिये देश के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की संभावना व्यक्त कर रहे हैं।

एजेंसी फैक्ट चेक डेस्क की पड़ताल में वायरल दावा गलत निकला। वास्तव में वायरल तस्वीर अप्रैल 2023 की है। तब नीतीश कुमार महागठबंधन का हिस्सा थे और लोकसभा चुनाव 2024 में विपक्षी एकजुटता को लेकर विपक्ष के नेताओं के साथ मुलाकात कर रहे थे। हालांकि, बाद में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नीतीश कुमार की पार्टी एनडीए गठबंधन में शामिल हो गई। यह फोटो नई दिल्ली में खड़गे के आवास पर आयोजित विपक्षी नेताओं की एक बैठक की है। पुरानी और असंबंधित फोटो को हाल ही की बताकर सोशल मीडिया पर गलत दावे के साथ इसे शेयर किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक यूजर ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, हरियाणा हारने के बाद नीतीश कुमार से राहुल गांधी की मुलाकात के क्या मायने हो सकते हैं? खेला होगा? सोशल मीडिया पर मिलते-जुलते दावों के साथ इस तस्वीर को खूब शेयर किया जा रहा है। दावे की पुष्टि के लिए डेस्क ने तस्वीर को गूगल लेंस के जरिये रिवर्स सर्च किया। हमें टाइम्स नाउ हिंदी की 14 अप्रैल 2023 की रिपोर्ट में यह तस्वीर मिली।

रिपोर्ट में बताया गया कि उस समय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिल्ली स्थित आवास पर राहुल गांधी से मुलाकात कर विपक्षी एकजुटता पर चर्चा की थी। उस समय बिहार के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी उनके साथ मौजूद थे। जांच के दौरान हमें दोनों नेताओं की मुलाकात का पूरा वीडियो आजतक के यूट्यूब चैनल पर मिला।। 12 अप्रैल 2023 को अपलोड किए गए इस वीडियो रिपोर्ट में बताया गया कि नीतीश कुमार 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

दरअसल, पिछले साल नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुटे थे। लेकिन, लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उनकी पार्टी विपक्षी गठबंधन को छोड़कर सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गई। फिलहाल, नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के 12 सांसद हैं और वह केंद्र की गठबंधन सरकार में अहम भूमिका निभा रही है। हमारी अब तक की पड़ताल से यह साफ है कि वायरल तस्वीर हाल-फिलहाल की नहीं बल्कि अप्रैल 2023 की है। यूजर्स पुरानी तस्वीर को गलत दावे के साथ अब शेयर कर रहे हैं।

पंजाब में आज होंगे ग्राम पंचायत चुनाव

चंडीगढ़। पंजाब में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ग्राम पंचायत चुनाव होंगे। हालांकि नामांकन के दौरान कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने चुनाव स्थगित करने की मांगी थी। अधिकारियों ने सोमवार को घोषणा की कि सरपंच और पंच पद के लिए मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मत पत्रों के माध्यम से होगा। उन्होंने बताया कि मतों की गणना कल शाम से मतदान केन्द्र पर की जाएगी। राज्य में 13,000 से अधिक ग्राम पंचायतों के लिए हो रहे चुनाव के लिए 19,000 से अधिक मतदान केंद्र बनाये ये हैं। पिछले महीने विधानसभा द्वारा पारित पंजाब पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2024 के मद्देनजर उम्मीदवार राजनीतिक दलों के चिन्हों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। पंचायत चुनाव के लिये कुल 1.33 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं जिनमें 70.51 लाख पुरुष और 63.46 लाख महिला मतदाता हैं। पंजाब कांग्रेस ने सोमवार को पंचायत चुनाव तीन हफ्ते के लिए स्थगित करने की मांग की।

कालोनाइजरों के लंबित कार्यों के निपटारे के लिए पहली बार 16 को लगेगा विशेष कैंपः हरदीप मुंडिया

शहरों के योजनाबद्ध विकास के दौरान पर्यावरण से खिलवाड़ और अवैध कॉलोनियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली सरकार द्वारा शहरी नागरिकों और कालोनाइजरों के लंबित कार्यों के निपटारे के लिए पहली बार 16 अक्टूबर को एक विशेष कैंप आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कालोनाइजरों के कम से कम 50 मामलों का निपटारा कर प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे। यह बात आवास निर्माण और शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया ने आज पंजाब भवन, चंडीगढ़ में कालोनाइजरों के महासंघ के साथ हुई बैठक के दौरान कही गई।

स.मुंडिया ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, कालोनाइजरों और शहरी निवासियों के लंबित मामलों को पूरी तरह से खत्म करने के लिए सहज और समयबद्ध सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर के पहले कैंप के बाद, नवंबर के अंत में एक और ऐसा कैंप आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधिकतम लंबित मामलों का निपटारा करने का प्रयास किया जाएगा।

आवास निर्माण और शहरी विकास मंत्री ने आगे कहा कि यदि विभाग के किसी अधिकारी द्वारा कालोनाइजरों से रिश्वत की मांग की जाती है, तो उसकी शिकायत तुरंत विभाग की ईमेल पर तुरंत भेजी जाए, जो सीधे उनके और सचिव द्वारा देखी जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जो भी शहरी निवासी या कालोनाइजर किसी भी दफ्तर में काम के लिए आते हैं, उनकी बात सुनी जाए और प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाए। श्री मुंडिया ने कहा कि राज्य सरकार शहरों के योजनाबद्ध विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए रियल एस्टेट से जुड़े व्यक्तियों का बड़ा योगदान होगा। सरकार द्वारा अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, सरकार द्वारा 18 से 29 अक्टूबर तक सरकारी संपत्तियों की दूसरी नीलामी शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट के कार्यों में यह सुनिश्चित किया जाए कि पर्यावरण से कोई खिलवाड़ न हो।

विभाग के सचिव राहुल तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि विभाग के सार्वजनिक कार्यों के लिए हर महीने मामलों की क्लियरेंस के लिए कैंप लगाए जाएंगे। विभाग में अब तक विभिन्न प्रकार के 1000 लंबित मामलों में से अधिकारियों की मेहनत के कारण अब केवल 100 बचे हैं, और भविष्य में इन्हें पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य है।

महासंघ द्वारा कैबिनेट मंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें और अन्य अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। उन्होंने सरकार द्वारा आयोजित पहले कैंप की सराहना की और कहा कि यह पहली बार हो रहा है। उन्होंने बैठक के लिए तुरंत समय देने के लिए भी मंत्री का धन्यवाद किया। कैबिनेट मंत्री श्री मुंडिया ने कहा कि कालोनाइजरों की मांगों और फीडबैक के लिए ऐसी बैठकें लगातार की जाएंगी। बैठक के दौरान गमाडा के सीए मोनीश कुमार, पुडा के सीए और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डायरेक्टर नीरू कात्याल गुप्ता, और पुडा के एसीए इनायत भी मौजूद थे।

चुनाव अमला पूरी जिम्मेदारी से निष्पक्ष रहकर कराएं मतदानः चुनाव पर्यवेक्षक भूपिंदर सिंह

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब राज्य चुनाव आयोग द्वारा मालेरकोटला जिले के लिए नियुक्त किए गए चुनाव पर्यवेक्षक, वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी और सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के निदेशक श्री भूपिंदर सिंह ने समूचे चुनाव अमले को ग्राम पंचायत चुनावों -2024 के लिए 15 अक्टूबर को मतदान कराने की पूरी प्रक्रिया ज़िम्मेदारी और निष्पक्षता से निभाने के लिए कहा।

चुनाव पर्यवेक्षक श्री भूपिंदर सिंह ने आज सरकारी कॉलेज मालेरकोटला और अमरगढ़ से पोलिंग पार्टियों को रवाना करते हुए कहा कि यदि चुनाव कर्मी अपनी ड्यूटी पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ निभाएं, तो उन्हें कोई कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी तरह की लापरवाही, अनुशासनहीनता या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आगाह किया कि चुनाव प्रक्रिया में एक छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है, इसलिए चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया को राज्य चुनाव आयोग के निदेशों के अनुसार लागू किया जाए।

डिप्टी कमिश्नर डॉ. पल्लवी ने कहा कि ग्राम पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त कराने के लिए जिला और पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं। पोलिंग बूथों पर सभी तैयारियों को पूरा करने के बाद ही पोलिंग पार्टियों को चुनाव संबंधी सामान लेकर रवाना किया जा रहा है। उन्होंने पोलिंग पार्टी स्टाफ से कहा कि आदर्श चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जाए और किसी भी अधिकारी द्वारा लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग बिना किसी डर, दबाव या लालच के करें, और प्रशासन की ओर से सभी पोलिंग स्टेशनों पर मतदाताओं को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

इस अवसर पर उनके साथ अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर सुखप्रीत सिंह सिद्धू, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) एवं अतिरिक्त जिला चुनाव अधिकारी श्रीमती नवदीप कौर, एस.डी.एम. मालेरकोटला/अहमदगढ़ हरबंस सिंह, एस.डी.एम. सुरिंदर कौर, सहायक कमिश्नर गुरमीत कुमार बांसल, जिला राजस्व अधिकारी श्रीमती मनदीप कौर, डीडीपीओ रिंपी गर्ग, तहसीलदार मालेरकोटला शीसपाल सिंगला, नायब तहसीलदार अहमदगढ़ परवीन कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्लॉट के इंतकाल के बदले किस्तों में 65,000 रुपये रिश्वत लेने वाले पटवारी और उसके साथी को विजिलेंस ब्यूरो द्वारा काबू

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत माल हल्का गिल, जिला लुधियाना में तैनात रहे पटवारी गुरनाम सिंह (अब सेवानिवृत्त) और उसके दो साथियों बूटा सिंह और राणा सिंह, निवासी गांव गिल, जिला लुधियाना द्वारा मिलीभगत कर किस्तों में 65,000 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। विजिलेंस ब्यूरो ने पटवारी गुरनाम सिंह और उसके सहयोगी राणा सिंह को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्हें कल अदालत में पेश किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपियों के खिलाफ यह मामला जिला लुधियाना के गांव दूले के निवासी सरबजीत सिंह द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बूटा सिंह और राणा सिंह नामक दो व्यक्तियों ने उसकी मुलाकात पटवारी गुरनाम सिंह से करवाई थी, जिन्होंने उसके प्लॉट के इंतकाल के लिए एक लाख रुपये की मांग की थी। आगे बताया गया कि उक्त पटवारी ने अपने साथियों बूटा और राणा के माध्यम से 15,000 रुपये, 35,000 रुपये और 15,000 रुपये की तीन किस्तों में कुल 65,000 रुपये रिश्वत के रूप में लिए। शिकायतकर्ता ने पटवारी और उसके साथियों से बातचीत की फोन कॉल्स भी रिकॉर्ड की थीं।

प्रवक्ता ने बताया कि पूछताछ के दौरान शिकायत में लगाए गए 65,000 रुपये रिश्वत लेने के आरोप सही पाए गए। इस संबंध में पटवारी गुरनाम सिंह, उसके साथी बूटा सिंह और राणा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

साडे बुजुर्ग साडा माण अभियान का जिला पटियाला से 23 को होगा शुभारंभः डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा बुजुर्गों की भलाई और स्वास्थ्य देखभाल के लिए साडे बुजुर्ग साडा माण अभियान का शुभारंभ 23 अक्टूबर को जिला पटियाला से किया जाएगा। 1 अक्टूबर को मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस को समर्पित इस अभियान के दौरान पंजाब के हर जिले में बुजुर्गों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए विशेष स्वास्थ्य कैंपों का आयोजन किया जाएगा। पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष अभियान के तहत बुजुर्गों की जेरियाट्रिक जांच, आंखों की जांच, चश्मों का वितरण और आंखों की सर्जरी सहित अन्य मुफ्त सेवाएं दी जाएंगी। इस मौके पर सीनियर सिटिजन कार्ड बनाए जाएंगे और वृद्धावस्था पेंशन के फॉर्म भी भरे जाएंगे। कैबिनेट मंत्री ने बुजुर्गों से अपील करते हुए कहा कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए कैंपों में पहुंचना सुनिश्चित करें और अपनी स्वास्थ्य देखभाल संबंधी सहायता प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि पंजाब के विभिन्न जिलों में क्रमशः पटियाला में 23 अक्टूबर को, बठिंडा में 05 नवंबर को, फरीदकोट में 07 नवंबर को, श्री मुक्तसर साहिब में 08 नवंबर को, लुधियाना में 11 नवंबर को, जालंधर में 12 नवंबर को, कपूरथला में 13 नवंबर को, एस.ए.एस नगर (मोहाली) में 14 नवंबर को, फिरोजपुर में 20 नवंबर को, फाजिल्का में 21 नवंबर को, पठानकोट में 22 नवंबर को, 25 नवंबर को गुरदासपुर में, अमृतसर में 26 नवंबर को, तरनतारन में 27 नवंबर को, एस.बी.एस नगर में 28 नवंबर को, होशियारपुर में 29 नवंबर को, रूपनगर में 05 दिसंबर को और फतेहगढ़ साहिब में 09 दिसंबर को कैंपों का आयोजन किया जाएगा। मंत्री ने आगे बताया कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार बुजुर्गों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी स्वास्थ्य एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है।

संक्षिप्त-समाचार

लिमिट बढ़ाने को रिकार्ड में कर दी हेराफेरी, केस दर्ज

राजपुरा। राजपुरा पुलिस ने लिमिट बढ़ाने को रिकार्ड में हेराफेरी कर धोखाधड़ी के आरोप में कर्मचारियों सहित आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के पास दर्ज करवाई रिपोर्ट में केपीटल स्माल फाइनेंस बैंक राजपुरा के अधिकारी ने बताया कि आरापियों ने अपनी जमीन पर आइडीबीआइ बैंक त्रिपड़ी से ५ लाख रुपये की लिमिट करवाई थी, लिमिट रिकार्ड में दर्ज की गई थी। आरोपियों ने गुरध्यान सिंह से मिलिभगत कर रिकार्ड में हेराफेरी कर आइडीबीआइ की ५ लाख की जगह १४ लाख की लिमिट कर धोखाधड़ी कर ली। जिस पर पुलिस ने गांव खानपुर गंडिया निवासी अवतार सिंह, इंद्रजी कौर, भाई की खेड़ी निवासी गुरध्यान सिंह के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

विधायक ने पुली के निमार्ण कार्य का नींव पत्थर रखा

लुधियाना। हल्का नार्थ में बुड्ढा दरिया के साथ चांद सिनेमा से हैबोवाल पुली के निमार्ण कार्य का उद्घाटन किया गया हल्का विधायक चौ. मदन लाल बग्गा साथ नगर निगम कमिश्नर ,अशोक सरीन,राजू थापर,चन्नी गिल,तजिंदर राजा,कमल बातिश,बॉबी शर्मा,पप्पी भनोट,अनिल शर्मा ,गोलू बाजवा आदि ने निमार्ण कार्य का नींव पत्थर रखा।

श्री श्याम धाम मंदिर में 10 नवंबर की भजन संध्या का निमंत्रण पत्र भेंट किया

अमृतसर। श्री श्याम प्रभु मित्र मण्डल की ओर से श्री श्याम प्रभु खाटू वालों की 23वीं भजन संध्या महोत्सव का निमंत्रण पत्र श्री श्याम धाम मंदिर वृन्दावन गार्डन कालोनी फतेहगढ़ चुडिया रोड में श्री श्याम बाबा जी के समक्ष भेंट किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के सदस्यों ने श्याम प्रभु को भजन संध्या को कुशल पुर्वक सम्मपन्न होने की प्रार्थना की। 10 नवंबर रविवार को बस स्टैंड के नजदीक गुरु नानक भवन में होने वाली भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री विवेक शर्मा कोलकत्ता से भजन गायिका गुंजन मेहता फतेहाबाद से और श्री हर्ष शर्मा दिल्ली से अपने मधुर कण्ठ से श्री श्याम प्रभु की महिमा का गुणगान करेंगे। मुख्य सेवादार श्री सुभाष मित्तल, गोविन्ध बांसल व अन्य सदस्यों ने बताया कि प्रभु जी की संध्या में विशेष आकर्षण छप्पन भोग होगा इसके अलावा भव्य दरबार दिल्ली से और कोलकाता से आए ताजा फुलों से श्रृंगार होगा और गंगा उपखंड ज्योति होंगे। इस मौके पर मण्डल के सदस्यों में सुभाष मित्तल, गोविन्ध बांसल, विष्णु पौदार उपभिषेक खेमका, राहुल मित्तल, कृष्णा खजूरिया रजनीश मित्तल, रमेश मित्तल आदि मौजूद थे।

देश भगत यूनीवरसिटी में अंतरिक्ष मलबे पर एक्सपर्ट टाक का आयोजन

सिटी दर्पण
रूपनगर

देश भगत यूनीवरसिटी (डीबीयू) ने अंतरिक्ष मलबे के महत्वपूर्ण मुद्दे पर एक ज्ञानवर्धक विशेषज्ञ वार्ता की मेजबानी की, जिसमें प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के विशेषज्ञ राजिंदर कुमार वर्मा ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और अंतरिक्ष उत्साही लोगों ने समान रूप से भाग लिया, जिसमें अंतरिक्ष मलबे की बढ़ती समस्या और भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण और उपग्रह संचार के लिए इसके निहितार्थों पर गहन चर्चा की गई। विशेषज्ञ राजिंदर कुमार वर्मा, जिन्हें प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ काम करने का वर्षों का अनुभव है, सैशन की शुरूआत अंतरिक्ष के मलबे-गैर-कार्यशील उपग्रह, राकेट के पड़ावों, और धरती के चक्कर में टकराने या टूटने की घटना की व्याख्या करके की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे लो अर्थ ऑर्बिट में मलबे की बढ़ती मात्रा परिचालन उपग्रहों और मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है, जिससे संभावित रूप से टकराव हो सकते हैं। इसके बाद आयोजित एक संवादात्मक सत्र में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विशेषज्ञ राजिंदर कुमार वर्मा के साथ विभिन्न प्रश्नों पर चर्चा की, जिनमें अंतरिक्ष मलबे से निपटने में सरकारों और निजी अंतरिक्ष एजेंसियों की भूमिका तथा अंतरिक्ष प्रदूषण से जुड़ी नैतिक चिंताएं शामिल थीं।

इस अवसर पर देश भगत यूनीवरसिटी के कुलपति डॉ. जोरा सिंह ने विशेषज्ञ राजिंदर कुमार वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, इस ज्ञानवर्धक सत्र ने अंतरिक्ष मलबे से निपटने की तत्काल आवश्यकता के प्रति हमारे ज्ञान में बढौतरी की है और विशेषज्ञता निश्चित रूप से हमारे छात्रों को एयरोस्पेस उद्योग में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी। देश भगत यूनिवर्सिटी (डीबीयू) की प्रो चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर ने वैश्विक मुद्दे पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। विशेषज्ञ वार्ता के दौरान, डीबीयू के बाईस प्रैजीडेंट डॉ. हर्ष सदावर्ती ने अंतरिक्ष मलबे पर चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया और अंतरिक्ष विशेषज्ञ राजिंदर कुमार वर्मा के साथ सीधे बातचीत की। डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है, ताकि अत्याधुनिक अनुसंधान और अंतरिक्ष स्थिरता जैसे वैश्विक मुद्दों में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके। इस अवसर पर परफारमिंग आर्टस एवं मीडिया निदेशक डॉ. सुरजीत पथेजा भी उपस्थित थे।

स्पेशल बच्चों ने स्कूल में मोमबत्ती प्रदर्शनी लगाई

सिटी दर्पण
होशियारपुर

ट्रिनिटी स्कूल असलपुर में जेएसएस आशा किरण स्पेशल स्कूल जहानखेला के स्पेशल बच्चों द्वारा मोमबत्ती प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, इस प्रदर्शनी का उद्घाटन निदेशक कम प्रिंसीपल अनिता लारेंस, सीनियर हेड मास्टर अजीत पॉल, हेड मास्टर सुमन गांधी ने किया, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय में आयोजित इस प्रदर्शनी के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा बच्चों द्वारा बनाई गई विभिन्न प्रकार की मोमबत्तियां खरीदी गईं। प्रिंसिपल शैली शर्मा ने बताया कि स्कूल के छात्र पिछले 4 महीनों से मोमबत्तियां तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आशादीप वेलफेयर सोसाइटी लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रही है कि विशेष बच्चे किसी से कम नहीं हैं और वे भी कड़ी मेहनत से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास विशेष बच्चों को मुखयधारा से जोडना है। इस मौके पर अंजना, अनिता, रजनी आदि भी मौजूद रहीं।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में संदिग्ध मोहम्मद यासीन अख्तर के खिलाफ नौ आपराधिक मामले

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की मुंबई में हत्या के मामले में संदिग्ध मोहम्मद यासीन अख्तर के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास समेत नौ जघन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा कि अख्तर (21) पंजाब के जालंधर जिले के शंकर गांव का रहने वाला है। जालंधर में एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि अख्तर उर्फ जस्सी उर्फ सिकंदर के खिलाफ विभिन्न थानों में नौ मामले दर्ज हैं। नकोदर के पुलिस उपाधीक्षक सुखपाल सिंह ने कहा कि उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और डकैती जैसे गंभीर आरोप हैं। उन्होंने कहा कि अख्तर पर हरियाणा के कैथल में दो अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा कि अख्तर को जून 2022 में एक आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया गया था और इस साल जून में जेल से बाहर होने के बाद वह अपने गांव नहीं लौटा। अख्तर के तार कुख्यात अपराधी विक्रम बराड़ से जुड़े होने का संदेह है। अख्तर के पिता मोहम्मद जमील अख्तर और भाई गांव में नहीं मिले और उनके घर में ताला लगा मिला। अख्तर पत्थर और टाइल्स बिछाने का काम करता था। अख्तर की मां और बहन की मृत्यु हो चुकी है। मुंबई पुलिस ने शनिवार रात मुंबई के बांद्रा इलाके में सिद्दीकी (66) पर गोली चलाने और उनकी मौत के मामले में दो कथित हमलावरों को गिरफ्तार किया है जिनमें हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह और उत्तर प्रदेश का रहने वाला धरमराज राजेश कश्यप हैं। तीसरा आरोपी फरार है।

ठोस कार्रवाई से मिली बड़ी सफलताः डीजीपी गौरव यादव

पंजाब पुलिस ने राजस्थान आधारित सुभाष सोहू की हत्या की गुत्थी सुलझाई, गिरफ्तार किए गए हथियार सप्लायर ही निकले हत्यारे

सिटी दर्पण
चंडीगढ़/एसएएस नगर

एजीटीएफ पंजाब और एसएएस नगर पुलिस ने शुक्रवार को डेराबस्सी में हथियारों की खेप की सप्लाई करने जा रहे राजस्थान आधारित तीन हथियार सप्लायरों को किया था गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब ने एस.ए.एस. नगर पुलिस के साथ मिलकर किए गए एक संयुक्त ऑपरेशन के दौरान सुभाष उर्फ सोहू के दिन-दहाड़े हुए सनसनीखेज हत्या मामले में राजस्थान आधारित हथियार सप्लायर को गिरफ्तार कर इस गुत्थी को सुलझा लिया है। ज्ञात रहे कि इस साल 8 अक्टूबर को जोधपुर के संगरिया में दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सिर में पांच गोलियां मारकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। यह जानकारी आज पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

उन्होंने कहा कि यह सफलता राजस्थान के जिला बलोतरा के रहने वाले तीन हथियार सप्लायरों भानु सिसोदिया, मोहम्मद आसिफ और अनिल कुमार की गिरफ्तारी से संबंधित बारीकी से की गई जांच और उनके पिछले संपर्कों की गहन छानबीन के बाद मिली है। ज्ञात रहे कि उक्त हथियार सप्लायरों को आरोपी नवजोत सिंह उर्फ जोता सहित शुक्रवार को एजीटीएफ और एसएएस नगर पुलिस की टीमों द्वारा उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे डेराबस्सी में उसे दो पिस्तौल और आठ जिंदा कारतूसों की खेप सप्लाई करने जा रहे थे। आरोपी नवजोत उर्फ जोता विदेश स्थित हैंडलर पवितर (यूएसए) और मनजिंदर (फ्रांस) का मुख्य संचालक है और उस पर 21 से अधिक जघन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी चार आरोपी इस समय थाने डेराबस्सी में पुलिस रिमांड पर हैं और इस मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि मास्टरमाइंड भानु सिसोदिया ने फरवरी 2024 में अपने साथी अनिल लेगा की हत्या का बदला लेने के लिए हत्या की योजना बनाने का खुलासा किया है । उन्होंने आगे बताया कि आरोपी मोहम्मद आसिफ और अनिल कुमार ने इस अपराध को अंजाम देने में मुख्य भूमिका निभाई।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में और पूछताछ की जा रही है और आने वाले दिनों में और खुलासे होने की उम्मीद है। प्रारंभिक जांच के बारे में अधिक जानकारी साझा करते हुए एसएसपी दीपक पारीक ने बताया कि राजस्थान के तीनों आरोपियों ने खुलासा किया है कि उन्होंने नवजोत सिंह जोता के साथ अपराध में इस्तेमाल किए गए हथियारों के बदले 1 लाख रुपये या पंजाब में उनके लिए सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने का सौदा किया था। उन्होंने बताया कि ये हथियार उन्होंने मध्य प्रदेश से खरीदे थे।

उन्होंने आगे बताया कि इस हत्या को अंजाम देने में कुछ और व्यक्तियों की भूमिका सामने आ रही है और इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए राजस्थान पुलिस के साथ समन्वय किया जा रहा है। इस संबंध में एफआईआर नंबर 313 के तहत थाना डेराबस्सी में आर्म्स एक्ट की धारा 25(6) और 25(7) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

पंजाब कांग्रेस ने पंचायत चुनाव तीन सप्ताह तक स्थगित करने की मांग की

चंडीगढ़। कांग्रेस की पंजाब इकाई ने मंगलवार को होने वाले पंचायत चुनाव को स्थगित करने की मांग करते हुए नामांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया और मतणगना के दौरान भी गड़बड़ी की आशंका जतायी। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता और पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को यहां पंजाब राज्य निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात की और उनसे तीन सप्ताह तक चुनाव स्थगित करने का अनुरोध किया। पंजाब में 13,229 ग्राम पंचायतों के लिए 15 अक्टूबर को मतदान होना है। बाजवा ने राज्य निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात के बाद यहां पत्रकारों से कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत चुनाव तीन सप्ताह तक स्थगित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान ह्यह्यबड़े पैमाने पर अनियमितताएंह्नह्न की गयीं क्योंकि कई विपक्ष समर्थित उम्मीदवारों का नामांकन ह्यह्यगलत तरीके सेह्नह्न खारिज कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई प्रत्याशियों को नामांकन दाखिल करने के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं दिया गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि कई लोगों ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय का रुख किया है जिनका नामांकन गलत तरीके से खारिज कर दिया गया है। बाजवा ने कहा, ह्यह्यहम चुनाव प्रक्रिया को तीन सप्ताह तक स्थगित कराना चाहते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

पुलिस महानिदेशक ने हिंसक अपराध नियंत्रण, इमिग्रेशन फ्रॉड तथा नशामुक्ति को लेकर वीसी के माध्यम से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा में हिंसक अपराध नियंत्रण तथा हरियाणा पुलिस में क्षमता निर्माण करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने प्रदेशभर के पुलिस महानिरीक्षकों, पुलिस आयुक्तों तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। इस दौरान उन्होंने विदेशों में भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एजेंटों पर कार्रवाई करने तथा नशामुक्ति को लेकर जिलों में किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि प्रदेश में हिंसक अपराध नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों का उच्च स्तरीय व गहन हथियार संचालन प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है ताकि उचित परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा हेतु उनका इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने जिलो में तैनात अच्छे युवा पुलिसकर्मियों का साक्षात्कार करते हुए उनका चयन करें और उनका अलग-अलग बैच बनाकर शस्त्र चलाने का उन्नत प्रशिक्षण दिलवाना सुनिश्चित करें। वे इसके लिए अच्छे प्रशिक्षकों का चुनाव करें ताकि उच्च गुणवत्ता की ट्रेनिंग दी जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए पुलिस मुख्यालय से भी कोर्स डिजाइन करके जिलों में भिजवाया गया है। इस दौरान उन्हें सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग भी दी जाएगी। प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को अलग-अलग स्थिति में किस प्रकार कार्य करना है, इसके बारे में भी बताया जाएगा। पुलिस अधीक्षक इस कोर्स को अपने जिले की स्थानीय समस्याओं के अनुरूप भी डिजाइन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण 7 से 10 दिन का होना चाहिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक यह ट्रेनिंग 21 अक्टूबर से शुरू करवाना सुनिश्चित करें। इससे जिलों में अपनी अच्छी स्वॉट टीम भी तैयार होगी जो हिंसक अपराध नियंत्रण में प्रभावी तरीके से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण करवाने के लिए एचपीए मधुबन तथा

पीटीसी सुनारिया के प्रशिक्षण केंद्रों का भी चयन किया गया है। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि वे क्षमता निर्माण के लिए अच्छे से अच्छा हथियार/उपकरण भी उपलब्ध करवाएं।

बैठक में श्री कपूर ने विदेश भेजने के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने वाले लोगों पर शिकंजा कसने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे एजेंटों के नेक्सस को तोड़ने के लिए सभी गंभीरता से कार्य करें और इसे अपनी

- युवा पुलिसकर्मियों का चयन करते हुए उन्हें दिया जाएगा उच्च स्तरीय शस्त्र संचालन प्रशिक्षण, 21 अक्टूबर से शुरू होगा कोर्स
- विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एजेंटो पर भी होगी सख्त कार्रवाई, नए कानून में आरोपी की प्रोपर्टी अटैच करने का भी प्रावधान- डीजीपी

प्राथमिकताओं में शामिल करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यह समस्या 5-6 जिलों में ज्यादा देखी जा रही है। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अवैध इमीग्रेशन फ्रॉड के लिए निर्धारित फॉर्मेट में ही रिपोर्ट भेजना सुनिश्चित करें ताकि मॉनीटरिंग अच्छी हो और यदि विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी संबंधी कोई शिकायत प्राप्त होती है तो आरोपी एजेंट के खिलाफ निर्धारित एसओपी के अनुसार कार्यवाही करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए।

उन्होंने पुलिस अधीक्षकों से कहा कि वे ऐसे मामलों की मॉनिटरिंग स्वयं करें और उनकी जांच के स्तर को भी पहले की अपेक्षा गहनता से करें। सभी इस कार्य को प्राथमिकता से लें क्योंकि इससे युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है। कई बार लोगों को विदेशों में धोखे से पहुंचा दिया जाता है और बाद में वे वहां जाकर आपराधिक गतिविधियों में पड़ जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसे मामलों में लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे इसे लेकर समय-समय पर स्वयं समीक्षा करेंगे कि ऐसे मामलों की कितनी शिकायतें आई हैं, कितनी एफआईआर हुई है, कितने अपराधी पकड़े हैं और कितने अपराधियों से रिकवरी करवाई गई है। उन्होंने यह भी बताया कि नए कानून में धोखाधड़ी करके विदेश भेजने वाले एजेंटों की घर, दुकान तथा अन्य प्रॉपर्टी को भी अटैच करने का भी प्रावधान है इसलिए ऐसे प्रावधानों का भी हमें उपयोग सुनिश्चित करना है।

इसके साथ ही श्री कपूर ने बैठक में नशामुक्ति अभियान के तहत प्रदेश में किए गए कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। डीजीपी ने पुलिस अधीक्षकों से 31 दिसंबर तक अपने-2 जिलों के गांवों तथा वार्डों को नशामुक्त बनाने के लिए स्वयं के लक्ष्य निर्धारित करके इसे प्राप्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षकों ने उनके क्षेत्र में नशामुक्ति को लेकर क्या-क्या काम हुए हैं उस बारे में विस्तार से बताया। डीजीपी ने कहा कि पुलिस अधीक्षक नशामुक्ति को लेकर थाना अनुसार टीम बना लें। टीम के सदस्य डोर टू डोर जाएं और नशे से ग्रस्त व्यक्ति का इलाज करवाना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से नशामुक्ति को लेकर दो कार्य करने हैं।

कांग्रेस के भीतर रहकर कांग्रेस को हराने वालो के खिलाफ हो कार्रवाई : बुटाना

सिटी दर्पण
करनाल

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं किसान सैल के राष्ट्रीय संयोजक व हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के पूर्व सदस्य ललित बुटाना ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस की हार के कारणों को जानने के लिए निचले स्तर पर समीक्षा करनी चाहिए। जिन लोगों ने कांग्रेस के भीतर रहते हुए कांग्रेस को हराने का काम किया, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की अति महत्वकांक्षा के कारण कांग्रेस के हाथ से जीती हुई बाजी निकल गई। चुनाव के पहले से जिस कांग्रेस को हरियाणा में विजेता माना जा रहा था। उस कांग्रेस को चुनावों के बाद कड़ी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को उन सभी कारणों पर विचार करना चाहिए, जिनके कारण कांग्रेस हारी। टिकट वितरण और उम्मीदवारों के चयन पर भी सवाल खड़े हो रहे है। कांग्रेस नेतृत्व ने

जिन लोगों को टिकट दिया। क्या वह जीतने की स्थिति में थे। इस पर भी विचार होना चाहिए। प्रदेश के नेतृत्व को अपनी नैतिक जिम्मेवारी स्वीकार करनी चाहिए। हरियाणा में कांग्रेस की हार के लिए वह सभी लोग जिम्मेवार है जिन्होंने अपने हितों को सर्वोपरि रखते हुए कांग्रेस की पीठ पर छुरा घोंपा। ऐसे विश्वासघाती लोगों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यदि रोड़ समुदाय के योग्य व्यक्तियों को टिकट दिया जाता तो आज नजारा कुछ और ही होता।

कांग्रेस कार्यकर्ता निराश जरूर है पर हताश नहीं: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़/रोहतक

अखिल भारतीय कांग्रेस की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सबको उम्मीद थी कि कांग्रेस की सरकार बनेगी पर क्या हुआ उसे पार्टी हाईकमान देख रहा है, हार से कार्यकर्ता निराश जरूर है पर हताश नहीं है। पार्टी चिंता न करके इस पर गहन चिंतन कर रही है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की पहचान संगठन होता है जो पिछले 10झ12 सालों से नहीं था। अब फैक्ट फाइंडिंग कमेटी कार्यकताओं के बीच जाकर हार के कारणों की तलाश करेगी, इसके बाद कमेटी की रिपोर्ट पर ही हाईकमान निर्णय लेगा। मीडिया से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस हार गई किसी ने नहीं सोचा था सरकार बनने की पूरी उम्मीद थी, हार-जीत के कई कारण होते है, हार के कारणों की समीक्षा जारी है, पार्टी सभी से फीड बैंक लेगी इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है। क्या ईवीएम को हार का कारण बनी के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से यह मामला चुनाव आयोग के समक्ष उठाया गया है अब देखना है कि आयोग इस पर क्या संज्ञान लेता है। क्या प्रदेश संगठन में कोई बदलाप होने जा रहा है के जवाब में कहा कि वे इस बारे में कुछ नहीं कह सकती ये सब हाईकमान के अधिकार क्षेत्र का मामला है। कांग्रेस की बैठक में हार पर राहुल गांधी ने कहा था कि यह हार आपसी फूट के कारण हुई है और उन्होंने इस पर काफी नाराजगी जताई थी पर उन्होंने कहा कि यह अनकही बातें है राहुल गांधी की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया है।

संगठन का न होना भी क्या हार का एक कारण रहा के जवाब में उन्होंने कहा कि संगठन होना जरूरी है क्योंकि संगठन कार्यकताओं की पहचान होती है, कांग्रेस का स्टेट लेबल से लेकर ब्लाक स्तर तक संगठन था ही नहीं, संगठन से पार्टी का काम होता है, कार्यकताओं को पहचान मिलती है, कार्यकताओं को हार का मलाल जरूर है। दस साल कांग्रेस विपक्ष में रही और अब अगले पांच साल फिर

विपक्ष में बैठेगी ऐसे में कार्यकताओं का क्या होगा के जवाब में उन्होंने कहा कि राजनीति का नाम ही संघर्ष है, जो कमियां रही उन्हें दूर करेंगे, पांच साल तक जनता को कांग्रेस से जोडेंगे, सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर आवाज उठाएंगे। विपक्ष का काम ही जनता के हितों की रक्षा करना होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बन रही है पर भाजपा को जमीन पर काम करना होगा, उसके राज में लोग परेशान न हो, जनसमस्याओं का समाधान होना चाहिए। क्या हरियाणा में चुनाव जातीय रंग ले गया के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ३६ बिरादरी की पार्टी है, वह सभी को साथ लेकर चलती है। पर सामाजिक रूप से कुछ बातें होती है। कांग्रेस में सब बातों को लेकर मंथन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हार के कारणों का पता लगाने के लिए हाईकमान की ओर से फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया जा रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों की क्या इच्छा थी, उन्हें क्या दिखाया गया, लोगों का क्या रिएक्शन था इसे भी देखना होगा। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि हार से कार्यकर्ता निराश है पर हताश नहीं हैं। दस साल में विपक्ष में बैठे रहना आसान नहीं होता पर कार्यकताओं ने खूब मेहनत की जिसके लिए वे कार्यकताओं का धन्यवाद करती है। कार्यकताओं नए जोश और उत्साह के साथ फिर से काम करेगा। कुछ कांग्रेस उम्मीदवारों का आरोप है कि वे हारे नहीं हराये गए है पर उन्होंने कहा कि सबके अपने अपने अनुभव है, सभी जीतने के लिए ही चुनाव लड़ते है।

आनंद डबास ने बिजली विभाग पर लगाया भ्रष्टाचार से रुपए ऐंठने का आरोप, एसपी को दी शिकायत

सिटी दर्पण
भिवानी

चरखी दादरी के गांधी नगर निवासी आनंद डबास बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की मनमाने व ब्लैकमेलिंग के रवैये से परेशान होकर चरखी दादरी के पुलिस अधीक्षक को की है। एसपी को दी शिकायत में पीड़ित आनंद डबास ने बताया कि उनकी पुत्री अर्चना डबास ने 13 जून 2024 को मीटर का लोड बढ़ाने के लिए चरखी दादरी बिजली बोर्ड के एसडीओ को एक दरखास्त दी दी तथा वह दरखास्त 28 जून 2024 को मंजूर हो चुकी। जिसकी ऐवज में उन्होंने लोड बढ़ाने की फीस 7374 रुपए जमा भी करवा दी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि लाईनमैन द्वारा 15 जुलाई 2024 को पुराना मीटर हटाकर थ्री फेस का नया मीटर लगा दिया था, लेकिन उक्त लाईनमैन ने उन्हे पुरानी

मीटर की रीडिंग नहीं दी तथा कहा कि पुरानी रीडिंग कार्यालय में आकर ले जाना। शिकायतकर्ता ने बताया कि 27 मई 2024 से 27 जुलाई 2024 तक बिल विभाग की तरफ से आया, जिसमें पुरानी मीटर की रीड़िंग 33686.79 व नए मीटर की रीडिंग 295 दर्शाई गई थी, जिसका बिल 5417 रुपए था, जो कि उनके द्वारा जमा करवा दिया गया था। आनंद डबास ने बताया कि इसके उपरांत 26 सितंबर 2024 को उसकी बेटी के फोन पर रात करीब पौने 9 बजे एक अनजान व्यक्ति का फोन आया तथा कहा कि उनके पुरानी बिजली मीटर की रीड़िंग में छोड़छाड़ की वजह से गलत बढ़ी हुई दिखा देंगे तथा आपको तीन लाख रुपए तक का बिल भरना पड़ सकता है। ऐसे में आप सुबह 60 हजार रुपए लेकर आएं तथा आपकी रीडिंग सही दिखा देंगे। इसके बाद 27 सितंबर 2024 को एक बारद फिर आया तथा कहा कि वे विभाग के फोरमैन, जेई व लाईनमैन से मिलकर सैटलमेट कर ले, नहीं तो उन्हे तीन लाख रुपए का ही बिल भरना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचारी कर्मचारियों की बात का विरोध करने पर 27 मई 2024 से 28 सितंबर तक उनका बिल दो लाख 89 हजार 600 रुपए अलोड कर दिया गया।

आश्वासन के दो माह बाद भी विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रहा सीबीएलयू

सिटी दर्पण
भिवानी

स्थानीय चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान के नेतृत्व में अन्य पदाधिकारियों ने 20 से 23 अगस्त तक शांतिपूर्वक भूख हड़ताल की थी। जिसके बाद सीबीएलयू प्रशासन द्वारा एनएसयूआई की मांगें 15 दिनों में माने जाने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन करीबन दो माह बीत जाने के बाद भी सीबीएलयू प्रशासन विद्यार्थियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का समाधान नहीं करवा पाया है। जिसके चलते सीबीएलयू प्रशासन को अपना आश्वासन याद दिलाने के लिए एनएसयूआई ने सोमवार को एक बार फिर से सीबीएलयू कुलपति

को मांगपत्र सौंपा। इस मौके पर एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने कहा कि सीबीएलयू प्रशासन का विद्यार्थियों के प्रति गैर जिम्मेदारान रवैया विद्यार्थियों के भविष्य पर भारी पड़ रहा है। लांग्यान ने कहा कि कुछ विद्यार्थियों को परीक्षा में अनुपस्थित व किसी को एमडब्ल्यू दिखाया गया है। इसके साथ ही उनके प्रैक्टिल और असेसमेंट के नंबर भी नहीं लगाए गए। जिस विद्यार्थी ने रिवाल्यूशन के फॉर्म भरे थे, उनका परिणाम अभी तक नहीं आया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा री-अपीयर के फॉर्म तो निकाल दिए गए, लेकिन किसी विद्यार्थी के पास परिणाम ही नहीं होगा तो वह फॉर्म कैसे भरेगा। लांग्यान ने कहा कि स्नातक डिग्री के जिन विद्यार्थियों के एक सैमेस्टर में री-अपीयर थी और जिसने अगली कक्षा में दाखिला लिया है, उसकी री-अपीयर परीक्षा के लिए पांच हजार रुपए चार्ज लिया जा रहा है, जो कि इस परीक्षा का शुल्क हर वर्ष 700 रुपए है। ऐसे में यह सीधे-सीधे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के विद्यार्थी को शिक्षा से दूर करने का षडयंत्र है।

नशा एक अभिशाप इसे जड़ से उखाड़ने के लिए आमजन की भागीदारी जरूरी: एसपी राजेश

सिटी दर्पण
कैथल

- पुलिस का नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान निरंतर जारी

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अंतर्गत नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए जिला पुलिस द्वारा निरंतर रूप से आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक किया जा रहा है। एसपी राजेश कालिया के निदेर्शानुसार डीएसपी कुलदीप बेनीवाल के नेतृत्व में एसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही रितु की टीम पहले ही विभिन्न प्रोग्रामों के माध्यम से आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक कर रही है। यह टीम आगे भी निरंतर रूप से आमजन को जागरूक करेंगी। सोमवार को उक्त टीम द्वारा बाबा लदाना मेला, पट्टी गदली, माघो माजरी, मानस सहित अन्य स्थानों पर आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक किया गया। एसपी राजेश कालिया ने बताया कि पुलिस टीम ने आमजन को नशे से होने वाली हानि व खेल से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नशा समाज की जड़ों को खोखला कर रहा है। युवा पीढ़ी नशे के दलदल में फंसकर अपने भविष्य को अंधकार की तरफ धकेल रही है। नशा इंसान के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। जिससे व्यक्ति बार-बार बीमार होता रहता है। नशा की पूर्ति के लिए कई युवा अपराध का रास्ता चुन लेते है तथा चोरी स्नैचिंग, लूट इत्यादि की वारदात को अंजाम दे देते है। सभी अपने आप को नशे से दूर रखें तथा समाज के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें तथा अपने बच्चों की गतिविधियों पर निगाह रखने की हिदायत दी। पुलिस प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बढ़ चढ़कर भाग ले ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त किया जा सके। नशा एक अभिशाप है इसे जड़ से उखाड़ने के लिए आमजन की भागीदारी जरूरी है।

सीटीएम शुभम ने दीप प्रज्जवलित कर प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

बाल भवन में पांच दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

सिटी दर्पण
करनाल

डीसी एवं जिला बाल कल्याण परिषद के प्रधान उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल दिवस 2024 के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का सोमवार को आगाज हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ सीटीएम शुभम ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सीटीएम शुभम ने प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के इस मॉडर्न टाइम में हमारा युवा अनेक कल्चरल कार्यक्रमों से जुड़ा हुआ है, जिस कारण हमारी संस्कृति को दिन-प्रतिदिन बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम विशेष रूप से होते रहने चाहिए ताकि युवाओं का जीवन सकारात्मक दिशा में चलता रहे।

जिला बाल कल्याण अधिकारी आरती ने कहा कि परिषद द्वारा यह प्रतियोगिता 14 अक्तूबर से 19 अक्तूबर तक जिला बाल भवन के प्रांगण में करवाई जाएगी। इस प्रतियोगिता में सोलो सोंग, सोलो डांस तथा रंगोली इत्यादि कार्यक्रमों में प्रतिभागी भाग लेंगे। इसके अलावा जिला के विभिन्न सरकारी व प्राइवेट स्कूलों से लगभग 4 हजार विद्यार्थी भाग लेंगे। इसी कड़ी में स्लम एरिया के बच्चों को भी इस प्रतियोगिता में आमंत्रित किया गया है। इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागी बनेंगे।

जिला बाल कल्याण अधिकारी आरती ने मुख्य अतिथि सीटीएम शुभम का स्वागत करते हुए उन्हें बाल दिवस 2024 के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही इन प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज आयोजित समूह नृत्य, एकल गीत, एकल नृत्य, रंगोली, थाली पूजन, भाषण तथा कलश सज्जा की प्रतियोगिताएं विभिन्न आयु वर्गों में बाल भवन, कालिदास

रंगशाला तथा करण स्टेडियम में आयोजित करवाई गईं। उन्होंने यह भी बताया कि इन प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी ही आगे मंडल-स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

प्रतियोगिताओं के समूह नृत्य ग्रुप 4 में आर.पी.एस. स्कूल प्रथम, दयाल सिंह पब्लिक स्कूल, मैन ब्रांच द्वितीय, जे.पी.एस अकैडमी, असंध तृतीय एवं आर.एस. पब्लिक स्कूल, करनाल चतुर्थ रहे।

डेक्लामेशन ग्रुप 3 में वंशिका कक्षा 10 जे पी एस अकादमी, निसिंग प्रथम, सृष्टि कक्षा 9 आर पी एस इंटरनेशनल स्कूल, करनाल, द्वितीय, शौर्य एसकागरा कक्षा 9 आर एस पब्लिक स्कूल, करनाल तृतीय तथा सिमरन कक्षा 10 प्रकाश पब्लिक स्कूल चतुर्थ रहे।

थाली /कलश पूजन ग्रुप 3 में आरना कक्षा 10 ऋषिकुल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल घरौंडा प्रथम, कुनाल कक्षा 9 दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 7, करनाल द्वितीय, शबद कक्षा 10 डी ए वी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल इंद्री रोड करनाल तृतीय तथा निहारिका, कक्षा 9 दयाल सिंह पब्लिक स्कूल मेन ब्रांच, करनाल चतुर्थ रहे।

थाली /कलश पूजन ग्रुप 4 में प्रिया कक्षा 12 ऋषिकुल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल घरौंडा प्रथम, सुजल कक्षा 11 विवेकानंद विद्या निकेतन, असंध द्वितीय, जाह्नवी कक्षा 12 गुरुहरकिशन पब्लिक स्कूल सेक्टर 13, करनाल तृतीय तथा नीतिका कक्षा 11 एस पी एस कोंवेन्ट स्कूल करनाल चतुर्थ रहे।

रंगोली ग्रुप 3 में कोमलप्रीत कौर कक्षा 10 एम एन एम पब्लिक स्कूल जुंडला प्रथम, गुरनाज कक्षा 9 दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 7 द्वितीय, गहना कक्षा 10 पार्थ पब्लिक स्कूल, घरौंडा तृतीय तथा दमनप्रीत सिंह कक्षा 10 डी ए वी पब्लिक स्कूल असंध चतुर्थ रहे।

संक्षिप्त-समाचार

केनरा बैंक का मेगा रिटेल लोन एक्सपो 14 से

चंडीगढ़। केनरा बैंक का मेगा रिटेल लोन एक्सपो 14 अक्टूबर 2024 से सोनीपत, पानीपत, जींद और झज्जर जिले की सभी ब्रांचों में आयोजित किया जाएगा। इस उपलक्ष में क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मुख्य शाखाओं में उपस्थित होंगे। इस मौके पर शहर के प्रमुख बिल्डर एवं व्हीकल डीलर भी उपस्थित होंगे। इसमें बैंक अपने विभिन्न रिटेल उत्पादों जैसे कार लोन, हाउसिंग लोन, पर्सनल लोन एवं शिक्षा लोन के बारे में आम जन को अवगत करेंगे। यह आयोजन 15 अक्टूबर 2024- केनरा बैंक सेक्टर 14 ब्रांच, 16 अक्टूबर 2024- केनरा बैंक पानीपत सेक्टर 12 ब्रांच, 19 अक्टूबर 2024 - केनरा बैंक जींद मुख्य शाखा एवं बहादुरगढ़ मुख्य ब्रांच में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर बैंक द्वारा बैंक की ऋण सुविधाओं का लाभ उठाने हेतु सभी लोगों को आमंत्रित किया जाता है।

महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

कुरुक्षेत्र। भगवान परशु राम महाविद्यालय में हिंदी विभाग के द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया गया। प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की बलजिंदर कौर द्वितीय स्थान पर रही तथा बीए तृतीय वर्ष के अजय कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । तृतीय वर्ष की अंजलि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । डॉ. प्रवीण शर्मा ने कहा कि हिन्दी भाषा सबसे अधिक बोली जाने वाली और सम्मानित भाषाओं में से एक है। उन्होने कहा कि यह प्राचीन समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ-साथ हमें सम्मान, स्वाभिमान व गर्व की अनुभूति कराती है, आजादी के बाद हिंदी ने देश के आर्थिक विकास की गति को बढ़ाया है। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि उन्हें हिंदी को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर डॉ. सरिता राय ने बोलते हुए कहा कि एक भारतीय होने के नाते हमें हिंदी का अच्छा ज्ञान होना जरूरी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी मातृभाषा हिन्दी होने के बाद भी ज्यादातर लोगों को हिन्दी नहीं आती है। हिन्दी भाषा को आज सही ढंग से समझने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज हमें भी हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार और इसके विकास के लिए अपना सकारात्मक योगदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीएपी की कालाबाजारी, जमाखोरी और तस्करी बर्दाश्त नहीं, होगी सख्त कार्रवाई: उत्तम

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा है कि डीएपी खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी व तस्करी को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि डीएपी के वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए, इसके साथ-साथ किसानों को डीएपी के साथ जबरन अन्य कोई कीटनाशक आदि न थोपा जाए। निर्धारित कीमत से अधिक वसूलने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उपायुक्त आज यहां जिला सचिवालय में डीएपी को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि, कृभको, हैफेड, इफको, एनएफएल, केंद्रीय सहकारी बैंक के अधिकारियों के अलावा खाद डीलर्स ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि जिला में डीएपी की 40 प्रतिशत आपूर्ति हैफेड और 60 प्रतिशत प्राइवेट विक्रेताओं के माध्यम से की जायेगी। इस समय जिला में 4071 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। अब तक 6661 मीट्रिक टन की आवक हो चुकी है जिसमें से 2590 मीट्रिक टन की बिक्री हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अक्तूबर 2024 से मार्च 2025 तक एक लाख 4 हजार 800 मीट्रिक टन यूरिया की मांग की उम्मीद है। इस समय 35795 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। उपायुक्त के अनुसार डीएपी की तस्करी, कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों पर शिकंजा कसने के लिये टीम गठित की गई है। इसमें संबंधित क्षेत्र के उपमंडल अधिकारी (नागरिक)को नोडल अधिकारी, तहसीलदार/नायब तहसीलदार, एसडीओ(कृषि), खंड कृषि अधिकारी को टीम का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह टीम विक्रेताओं के यहां औचक निरीक्षण करेगी। उन्होंने विक्रेताओं से अपील की कि वे पीओएस मशीन के माध्यम से ही बिक्री सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि अंतर्राज्यीय व जिला सीमा पर खाद की तस्करी को रोकने के लिये पुलिस द्वारा नाके भी लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा विक्रेता किसानों को डीएपी के साथ अन्य कोई कीटनाशक जबरन न थोपें।

पुलिस ने 60 दिन में बरामद किए आम जन के खोए हुए लगभग 3,70,556/- रूपए के 24 स्मार्ट फोन

रेवाड़ी।रेवाड़ी की साईबर सैल की टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए बीते 60 दिन अन्दर आमजन के खोए हुए लगभग 3,70,556/- रूपए के 24 स्मार्ट फोन बरामद कर उनके असल मालिकों को सौंपे। बरामद किए गए इनमें ज्यादातर फोन नामी कंपनियों के हैं जिनकी कीमत बाजार में करीब 10 हजार रुपए से लेकर 30 हजार रुपए तक की है। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ0 रविन्द्र सिंह द्वारा मोबाईल मालिको को अपने कार्यालय में बुलाकर सम्मान पूर्वक उनके मोबाईल फोन सौंपे गए। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ0 रविन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2020 में पुलिस महानिदेशक हरियाणा के आदेशानुसार गुमशुदा मोबाइल को ढूँढकर उनके मालिकों को लौटाने हेतु विशेष अभियान की शुरूआत की गई थी। रेवाडी पुलिस की साइबर सैल की टीम ने इस अभियान के तहत वर्ष 2022 से अब तक करीब 39,51,078/- रुपए के 240 स्मार्ट मोबाइल फोन को ढूंढकर उनके मालिकों के हवाले किए गए।

संपादकीय

निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा और भारत के बीच गहराती दरार

जी हां भारत और कनाडा के बीच निज्जर हत्याकांड को लेकर पनपी दरार बीतते दिनों के साथ और गहराती जा रही है। इसका कारण कनाडा सरकार द्वारा निज्जर हत्याकांड का आरोप भारत पर प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से समय समय पर लगाया जाना है। अब हाल ही में कनाडा सरकार ने भारत सरकार को जैसे ही सूचित किया कि ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक खालिस्तान समर्थक कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की पिछले साल जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में हुई हत्या की जांच में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' हैं, तो भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है और इन को ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बताया है जिसका मकसद वोट बैंक की राजनीति है। इतना ही नहीं भारत सरकार ने तुरंत अपने उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का फैसला ले लिया। विदेश मंत्रालय ने सोमवार शाम को एक जारी बयान में कहा कि कनाडा सरकार की वजह से 'इन अधिकारियों की सुरक्षा खतरे में है', इसलिए भारत उन्हें वापस बुला रहा है। गौरतलब है कि यह घटनाक्रम पहले से ही तनावपूर्ण दोनों देशों के संबंधों को कड़वे मोड़ की ओर पहुंचा सकता है। इससे पहले इस संबंध में विदेश मंत्रालय ने सोमवार शाम कनाडाई प्रभारी को भी तलब किया था और उन्हें बताया कि कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को आधारहीन तरीके से निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय ने अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा के बचाव में कहा कि वे 36 वर्षों से सेवा में हैं और विभिन्न देशों में राजदूत रह चुके हैं. उन पर लगाए गए कनाडा सरकार के आरोप हास्यास्पद हैं, और मानहानि की श्रेणी में आते हैं। यह भी कहा कि, 'उग्रवाद और हिंसा के माहौल में ट्रूडो सरकार की कार्रवाई से राजनयिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। हमें उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कनाडाई सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए, भारत सरकार ने उन उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों तथा अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है, जिन्हें निशाना बनाया गया है।' याद रहे कनाडाई कानून में, 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' शब्द का प्रयोग आम तौर पर किसी ऐसे व्यक्ति के लिए किया जाता है जिसके बारे में अधिकारी मानते हैं कि या तो उसका किसी अपराध (निज्जर की हत्या) से संबंध हो सकता है या उसके पास अपराध से संबंधित जानकारी हो सकती है, लेकिन उसे अभी तक ऐसा संदिग्ध व्यक्ति न माना गया हो जिस पर औपचारिक रूप से आरोप लगाए जा सकें। इस पर कनाडा में खालिस्तानी मूवमैंट से जुड़े लोग भी सक्रिय हो गये हैं और उन्होंने भारत विरोधी पोस्ट सोशल मीडिया पर सांझा करने शुरू कर दिये हैं। याद रहे 'प्रधानमंत्री ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, लेकिन कनाडा सरकार ने हमारी ओर से कई अनुरोधों के बावजूद भारत सरकार के साथ कोई भी सबूत सांझा नहीं किया है। अलबत्ता यह जांच के बहाने राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर भारत को बदनाम करने की एक रणनीति है।' ज्ञात हो कि पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडाई संसद को बताया था कि उनके देश की सुरक्षा एजेंसियों के पास 'विश्वसनीय' खुफिया जानकारी है कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार का हाथ है। पिछले साल के अंत में निज्जर की हत्या को लेकर उठे कूटनीतिक विवाद के बाद विदेश मंत्रालय का यह बयान सबसे कड़ा जवाब है। यह सच है कि ट्रूडो के मंत्रिमंडल में ऐसे लोग शामिल हैं जो भारत के संबंध में चरमपंथी और अलगाववादी एजेंडे से खुले तौर पर जुड़े हुए हैं। दिसंबर 2020 में भारतीय आंतरिक राजनीति में उनके (ट्रूडो) खुले हस्तक्षेप से पता चलता है कि वे इस संबंध में किस हद तक जाने को तैयार हैं।' यह भी सच है कि ट्रूडो की सरकार एक ऐसे राजनीतिक दल पर निर्भर है, जिसके नेता भारत के प्रति खुले तौर पर अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करते हैं। यह संदर्भ न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके नेता जगमीत सिंह का है। एनडीपी के पास 25 सीटें हैं और इसके समर्थन से ट्रूडो की लिबरल पार्टी (160 सीट) हाउस ऑफ कॉमन्स में बहुमत का आंकड़ा पार करती है। हाउस ऑफ कॉमन्स में 368 सीटें हैं, लेकिन पिछले महीने सिंह ने घोषणा की थी कि एनडीपी ट्रूडो से अपना समर्थन वापस ले रही है। यह ऐसे समय हुआ है जब प्रधानमंत्री ट्रूडो को विदेशी हस्तक्षेप पर एक आयोग के समक्ष गवाही देनी है। यह भारत विरोधी अलगाववादी एजेंडे को भी बढ़ावा देता है, जिसे ट्रूडो सरकार ने संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए लगातार बढ़ावा दिया है।' ट्रूडो सरकार जानबूझकर चरमपंथियों की हिंसक गतिविधियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर उचित ठहराती है। साथ ही कहा गया है कि कनाडा में अवैध रूप से प्रवेश करने वालों को तेजी से नागरिकता दी जाती है। कनाडा में रहने वाले आतंकवादियों और संगठित अपराध के नेताओं के संबंध में भारत सरकार की ओर से कई प्रत्यर्पण अनुरोधों की अनदेखी की गई है। गौरतलब है कि पिछले साल ट्रूडो के सार्वजनिक आरोपों के जवाब में, भारत ने 41 कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था, कनाडाई लोगों के लिए सभी वीजा सेवाएं बंद कर दी थीं और ओटावा से भारत की राजनयिक उपस्थिति के अनुरूप अपने राजनयिकों की संख्या में भारी कमी लाने को कहा था। इस साल अप्रैल में कनाडा सरकार ने भारत में अपने मिशनों में स्थानीय कर्मचारियों की संख्या कम कर दी है, क्योंकि उन पर निगरानी रखने के लिए निगरानीकर्मियों की कमी है।

आज का राशिफल

मेषः दाम्पत्य सम्बन्धों में ताजगी रहेगी। मन में नये कार्यों को लेकर उमंग-उत्साह की भावना रहेगी। लेकिन एक साथ कई काम करने की कोशिश न करें। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के ऊपर काम का दबाव कम होगा। महिलायें अपने साज-सज्जा पर काफी ध्यान देंगी। अपनी कल्पनाओं को साकार करने का मौका मिलेगा।

वृषभः परिवार में सुख-शान्ति का वातावरण रहेगा। पुराने झगड़ों को लेकर दोबारा उलझने से बचें। खोई हुई वस्तु आपको आज वापस मिल सकती है। नये प्रोजेक्ट्स की शुरूआत कर सकते हैं। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार आने की सम्भावना है।

मिथुनः अध्यात्मिक विषयों पर गूढ अध्ययन कर सकते हैं। परिवार के सदस्य आपके ऊपर गर्व करेंगे। उच्च अधिकारियों की नाराजगी झेलनी पड़ेगी। व्यवसाय में सावधानी रखने की आवश्यकता है। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है।

कर्कः प्रियजनों की सलाह पर गम्भीरता से विचार करें। जीवनसाथी के साथ विश्वास में कमी आयेगी। कुल मिलाकर आज का दिन संघर्ष से युक्त हो सकता है। मौसम परिवर्तन के कारण सिरदर्द जैसी समस्या हो सकती है। कुछ महत्वपूर्ण काम अटक सकते हैं। आलस्य करने से बचें।

सिंहः यदि किसी इंटरव्यू में सम्मिलित हो रहे हैं तो दिन सौभाग्यशाली रहेगा। व्यवसाय में दैनिक आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्च पद मिल सकता है। थोड़े ही प्रयासों से आपके काम सफल हो जायेंगे। मेहनत के बलबूते कई सारे कार्य एक साथ कर लेंगे।

कन्याः प्रेम सम्बन्धों को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण में कुछ परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ तालमेल बहुत ही अच्छा रहेगा। माता-पिता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

तुलाः ऑफिस का काम समय पर पूर्ण हो जायेगा। ग्रह स्थिति आपके पक्ष में हो सकती है। दोस्तों के साथ समय बिताना पसन्द करेंगे। सहकर्मी आपको अपमानित करने का प्रयास कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में शुभ परिणाम प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। परिवार के लोग आपके निर्णयों से काफी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिकः आज आपको अकारण यात्रा करनी पड़ सकती है। यदि भीड़भाड़ वाले इलाकों में जा रहे हैं तो सावधानी अवश्य रखें। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। घर में अचानक बिना बुलाये मेहमान आ सकते हैं। पति-पत्नी के बीच नोंकझोंक हो सकती है। आपकी छवि में निखार आ सकता है।

धनुः घर के किसी अविवाहित सदस्य के विवाह की चर्चा हो सकती है। प्रभावशाली लोगों के बीच आपका उठना-बैठना रहेगा। मनोरञ्जन के संसाधनों पर धन खर्च करेंगे। शान्तिपूर्ण तरीके से समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें। समय का सदुपयोग करें।

मकरः अपनी नकारात्मक आदतों पर नियन्त्रण रखें। गरिष्ठ और तला-भुना भोजन कब्ज और माइग्रेन का कारण बन सकता है। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यन्त्र रच सकते हैं। जॉब में तनाव बढ़ने की सम्भावना है। नयी सम्पत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं।

कुंभः यदि आप किसी समस्या से परेशान हैं तो आपको उसका समाधान मिल सकता है। धैर्यवान होकर काम पूर्ण करें। जीवनसाथी का सहयोग अपने कार्य को लेकर ऊर्जा प्रदान करेगा। आपके करियर में नया मोड़ आ सकता है। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिलेगा।

मीनः आपकी राय लोगों के लिये काफी महत्वपूर्ण हो सकती है। बहुमूल्य वस्तुओं को सँभाल कर रखें। पैतृक सम्पत्ति को लेकर विवाद उपजने की आशंका है। स्वभाव में चिड़चिड़ापन अधिक हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारी उच्च अधिकारियों से असन्तुष्ट हो सकते हैं।

ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनाएं ये तरीके, जानें मेडिटेशन के फायदे

मेडिटेशन करने के फायदे

- अवाद में फायदा
- संयमित हार्ट बीट
- ओवरथिंकिंग में कमी
- एंक्क्जाइटी में सुधार

कौन कर सकता है मेडिटेशन?

विशेषज्ञों के मुताबिक, मेडिटेशन दो साल की उम्र के बच्चे से लेकर बड़े बुजुर्ग तक सभी लोग कर सकते हैं। छोटे बच्चों को भी मेडिटेशन करना सिखाना चाहिए।

स्वस्थ मन और शरीर के लिए मेडिटेशन इन दिनों बहुत ज्यादा प्रचलित शब्द बन गया है। लेकिन मेडिटेशन करने वाले इसे लगातार अपना नहीं पाते और बीच में ही मेडिटेशन करना छोड़ देते हैं। इसकी एक वजह होती है, ध्यान केंद्रित न कर पाना। मेडिटेशन ध्यान केंद्रित करने से जुड़ी एक क्रिया है, जो अक्सर लोगों को कठिन लगती है। हालांकि मेडिटेशन करने के फायदे बहुत हैं। शरीर के साथ ही मन और मस्तिष्क को शांत रखने, स्वस्थ रखने के लिए मेडिटेशन लाभकारी होता है।एक सर्वे के मुताबिक नींद न आने से कई गंभीर समस्याएं हो जाती हैं, जो मेडिटेशन करने मात्र से ठीक हो सकती हैं। खुशी और शांति और विकास के लिए भी मेडिटेशन बेहतरीन उपचार है। हालांकि अगर आप मेडिटेशन करते समय ध्यान नहीं लगा पाते तो कुछ आसान तरीकों को अपना सकते हैं। जानिए मेडिटेशन करते समय ध्यान लगाने के तरीके और मेडिटेशन के फायदें।

मेडिटेशन करते समय फोकस कैसे करें

- अक्सर लोग मेडिटेशन सुबह के समय करते हैं। उन्हें लगता है कि ध्यान लगाने के लिए यह समय उपयुक्त है। लेकिन सुबह बहुत सारे कामकाज होते हैं। ऐसे में मन शांत करके मेडिटेशन करना मुश्किल होता है। जल्दबाजी में मेडिटेशन न करें, बल्कि खाली और सुकून के समय में मेडिटेशन कर सकते हैं। इसके अलावा मेडिटेशन का कोई निश्चित समय नहीं होता। आप कभी भी ध्यान लगा सकते हैं।
- मेडिटेशन करते समय ध्यान लगाएं तो पूरे दिन की एक एक बात को याद करें। सोने से पहले तक की सभी गलतियों और अच्छाइयों को दोबारा याद करें और इस पर चिंतन करें। इस तरह मेडिटेशन को 'प्रति प्रश्न साधना' कहते हैं।
- मेडिटेशन करते समय फोकस करने का एक तरीका है कि आप भगवान का नाम लें। ऊँ शब्द का उच्चारण बार बार करें। भगवान के नाम का जाप करने से आप मेडिटेशन में लीन हो सकते हैं। ऐसा आप रात में सोने से पहले पांच से दस मिनट तक रोजाना कर सकते हैं।
- महिलाएं जो बिंदी अपने माथे पर लगाती हैं, उसी पर ध्यान केंद्रित करते हुए फोकस करें। रोजाना पांच मिनट के लिए अपना ध्यान बिंदी पर लगाते हुए सांस को धीरे धीरे छोड़ें।
- मेडिटेशन का एक तरीका सांस पर ध्यान लगाना है। मन में कई सारे विचार आते हैं। ऐसे में ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है। लेकिन नियम से मेडिटेशन करते समय सांसों पर ध्यान लगाने से विचार परेशान नहीं करेंगे। मेडिटेशन की शुरूआत पांच मिनट से करें।

वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा में रखें ये चीजें, कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का बहुत ही महत्व है। वास्तु शास्त्र के अनुसार हर वस्तु को एक निश्चित दिशा में रखने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा बनी रहती है। वहीं वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा को भी काफी महत्वपूर्ण माना गया है। आइए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार वह कौन-सी चीजें हैं जिन्हें उत्तर दिशा में रखने से व्यक्ति को आर्थिक लाभ मिल सकता है। कुल 4 दिशाएं उत्तर, पश्चिम, पूरब और दक्षिण प्रमुख है। सभी दिशाओं की कुछ-न-कुछ विशेषता भी होती है। उसी प्रकार वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा का विशेष महत्व है। आज हम आपको वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा का महत्व बताने जा रहे हैं।

उत्तर दिशा का महत्व

उत्तर दिशा को वास्तु शास्त्र में बहुत ही शुभ माना गया है। वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार मानी जाती हैं। साथ ही इस दिशा को देवताओं की दिशा भी कहा जाता है। साथ ही इस दिशा में धन के देवता को कुबेर के साथ-साथ धन की देवी लक्ष्मी का भी वास माना गया है।

तिजोरी रखने की सही जगह

वास्तु शास्त्र कहता है कि तिजोरी या लॉकर को उत्तर दिशा में रखना चाहिए, इससे आपके ऊपर कुबेर देवता और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही इस दिशा में माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र स्थापित करके विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और व्यक्ति को कभी आर्थिक तंगी नहीं गुजरना पड़ता।

उत्तर दिशा में रखें ये पौधे

मनी प्लांट, जैसा किसके नाम से ही प्रतीत होता है। ऐसा माना जाता है कि मनी प्लांट को घर में रखने और उसके फलने-फूलने से धन-संपत्ति में वृद्धि होती है। साथ ही सनातन धर्म में पवित्र मानी गई तुलसी को भी उत्तर दिशा में ही रखना लाभकारी माना जाता है।

घर की रसोई

वास्तु के अनुसार घर की रसोई भी उत्तर दिशा में ही होनी चाहिए। ऐसा करने से कभी भी अन्न की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। इसके साथ ही उत्तर की दिशा में मौजूद दीवारों पर हल्के नीले रंग का पेंट करवाना चाहिए।

गणेश जी की मूर्ति दूर कर सकती है घर और ऑफिस के वास्तु दोष, जानिए कैसे

भगवान गणेश सनातन धर्म के प्रथम पूज्य देव हैं। देशभर में गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश के जन्मोत्व के रूप में मनाया जाता है। माना जाता है कि ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की थी। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि भगवान गणेश की पूजा करने से रचना संबंधी वास्तु दोष दूर होते हैं। हिंदू धर्म में भगवान गणेश को बुद्धि के देवता और मंगलकर्ता के रूप में पूजा जाता है। माना गया है कि किसी भी मांगलिक कार्य शुरू करने से पहले गणेश जी की पूजा करने से उस काम में किसी तरह की बाधा नहीं आती। वहीं वास्तु शास्त्र की दृष्टि से भी गणेश जी की पूजा को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। यदि वास्तु के नियमों का ध्यान रखकर घर में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की जाए तो इससे कई तरह के वास्तु दोष समाप्त होते हैं।

किस रंग की हो मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार गणेश जी की सफेद रंग की मूर्ति घर में स्थापित करने से व्यक्ति को वास्तु दोषों से मुक्ति मिलती है। वहीं घर में सिंदूरी रंग के गणपति स्थापित करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही बच्चों के स्टडी टेबल पर पीले या हल्के हरे रंग की गणेश जी की मूर्ति लगाने से शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलती है।

मुख्य द्वार पर गणेश जी की मूर्ति

घर का मुख्य द्वार सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है, क्योंकि यहीं से सकारात्मक ऊर्जा घर के अंदर प्रवेश करती है। ऐसे में प्रवेश द्वार पर गणेश जी की पीठ मिलती हुई प्रतिमा लगाने से वास्तु दोष की समस्या दूर होती है। गणेश जी की प्रतिमा घर के मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ लगाएं।

ऐसी हो ऑफिस की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर या ऑफिस में भगवान श्री गणेश की खड़ी हुई प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोष दूर होता है। भगवान की प्रतिमा लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि उनका मुख दक्षिण दिशा में न हो, वरना इसका विपरीत प्रभाव भी पड़ सकता है।

दिशाओं का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का विशेष महत्व है। ऐसे में ऑफिस या घर में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करते समय दिशा का ध्यान भी जरूर रखें। घर का उत्तर पूर्वी कोना पूजा-पाठ के लिए बेहतर रहता है। ऐसे में गणपति जी की मूर्ति को भी घर के उत्तर-पूर्वी कोने में स्थापित करें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि भगवान गणेश की मूर्ति को कभी भी घर के दक्षिण में नहीं रखना चाहिए।

रसोई में उल्टे न रखें ये 2 बर्तन, वरना लग सकता है वास्तु दोष

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का विशेष महत्व माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार हर चीज का एक निश्चित जगह पर होने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा बनी रहती है। इसी तरह रसोई घर से संबंधित भी कुछ वास्तु शास्त्र नियम बताए गए हैं। जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति कई तरह की समस्याओं से बच सकता है। वास्तु शास्त्र में घर में हर वस्तु को रखने के लिए कुछ नियम बताए गए हैं। उसी तरह रसोई घर में बर्तन रखने के भी कुछ वास्तु नियम बताए गए हैं जिनका ध्यान रखना जाना जरूरी है। अक्सर हम रसोई में कई बर्तनों को उल्टा करके रख देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ बर्तनों को उल्टा रखने से वास्तु दोष लग सकता है। जिसके कारण व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लग सकता है वास्तु दोष

तवे का उपयोग रोटी बनाने के लिए होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, तवे को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में वास्तु दोष लग सकता है, जिस कारण कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

इससे बढ़ती है नकारात्मका

सब्जी बनाने या किसी भी चीज को तलने के लिए कढ़ाई का उपयोग होता है। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि कड़ाई को भी उल्टा करके नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

साथ ही वास्तु शास्त्र में यह भी बताया गया है कि तवे और कढ़ाई का इस्तेमाल करने के बाद इन्हें कभी भी गंदा नहीं छोड़ना चाहिए, बल्कि इस्तेमाल के बाद इन्हें तुरंत धोकर साफ करके रखना चाहिए।

इस दिशा में रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार पीतल, तांबे, स्टील और कहां से के बर्तनों को हमेशा रसोई की पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। यदि आप अपने घर में इस वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं तो कई तरह की परेशानियों से बच सकते हैं।

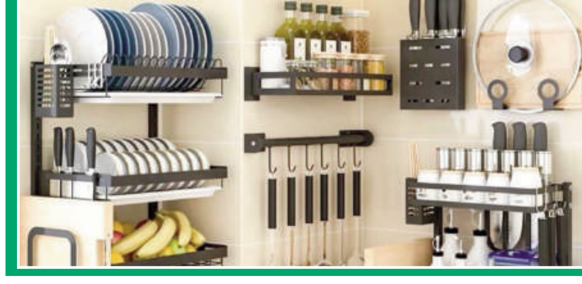

बहराइच हिंसा : लाठियां, लोहे की छड़ें लिए लोग सड़कों पर, दुकानों और वाहनों में लगाई गई आग

दुकानों, घरों और वाहनों में आग लगने से आसमान काले धुएं से भरा

एजेंसी
बहराइच (उप्र)

बहराइच में रविवार को हुई हिंसा के बाद सोमवार को तनाव की स्थिति है और लाठियां तथा लोहे की छड़ें लिए, कुछ लोग सड़कों पर घूमते दिखे। कुछ दुकानों और वाहनों में आग भी लगाई गई। एक दिन पहले यहां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा में 22 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने रविवार को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के गुजरने के दौरान मंसूर गांव के महाराजगंज इलाके में भड़की अशांति के सिलसिले में एक व्यक्ति पर मामला दर्ज किया है और करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। पथराव और गोलीबारी में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। हिंसा के विरोध में कई जगहों पर प्रदर्शन हुए और पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ नारे लगाए गए। पुलिस बलों ने इलाके में फ्लैग मार्च किया। कुछ दुकानों, घरों और वाहनों में आग लगने से आसमान में काला धुआं उठ रहा था। अधिकारियों ने बताया कि गृह सचिव संजीव गुप्ता और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं। बहराइच की पुलिस अधीक्षक (एसपी) वृंदा शुक्ला ने बताया, 'स्थिति सामान्य करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और असामाजिक तत्वों को खदेड़ा जा रहा है।' हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'उत्तर प्रदेश की शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की कोई भी साजिश सफल नहीं होगी। दंगाइयों को संरक्षण देने वाले एक बार फिर सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन हमें सतर्क और सजग रहना होगा।' उन्होंने हिंदी में किए गए अपने पोस्ट में कहा 'प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के साथ छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी।' मौर्य ने कहा कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी और पीड़ितों को पूरा न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, 'मैं सभी नागरिकों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील करता हूं।' कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर हिंदी में किए गए एक पोस्ट में कहा 'उत्तर प्रदेश के बहराइच में हिंसा की खबर और प्रशासन की निष्क्रियता बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'मैं राज्य के मुख्यमंत्री और राज्य प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करने, जनता को विश्वास में लेने और हिंसा को रोकने की अपील करती हूं। दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। मेरी जनता से विनम्र अपील है कि कृपया कानून को अपने हाथ में न लें।' इससे पहले, दिन में शुक्ला ने कहा कि 25 से 30 लोगों को हिरासत में लिया गया है और प्रभावित इलाकों में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। शुक्ला ने कहा, 'सभी अराजक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।' एसपी ने बताया कि सलमान नाम के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, उसके घर से गोलियां चलाई गईं। घर पर ही वह एक दुकान चलाता है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। बहराइच की जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी ने बताया कि मूर्ति विसर्जन के दौरान विवाद हुआ था। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति को गोली लगने के बाद स्थिति बिगड़ गई और घटना को देखते हुए कई जगहों पर मूर्ति विसर्जन रोक दिया गया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा में 22 वर्षीय एक व्यक्ति की हो गई थी मौत

प्रवासी श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन में लगने वाला समय और लागत कम किया जाना चाहिये : रमेश

एजेंसी
नई दिल्ली

कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि प्रवासी मजदूरों को एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने परिवारों को पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत में कमी लाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने विदेशों से पैसा भेजने में समय और लागत कम करने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास के बयान का स्वागत करते हुए यह बात कही। रमेश ने कहा, 'आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बहुत सही तरीके से धन प्रेषण की लागत और समय कम करने पर जोर दिया है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों से हमारी अर्थव्यवस्था में इस वर्ष लगभग 124 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा, जिससे ये सेवा निर्यात के बाद बाह्य वित्तपोषण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बन जाएगी।' कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर लिखा, 'उसी समय यह भी याद किया जाना चाहिए कि 10 भारतीयों में से तीन किसी न किसी प्रकार से आंतरिक प्रवासी हैं। इसलिए आंतरिक प्रेषण के समय और लागत को कम करने पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए जो एक राज्य में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों द्वारा अपनी बचत की रकम को दूसरे राज्यों में रह रहे अपने परिवारों को भेजना शामिल है।' उन्होंने कहा कि दुःख की बात है कि आंतरिक प्रेषण पर सही तरीके से आंकड़े नहीं जुटाए गए। रमेश ने कहा कि कुछ साक्ष्यों से पता चलता है कि इस तरह के अंतरराज्यीय प्रेषण विदेश से प्रेषित इस तरह के धन का दस गुना हिस्सा हो सकते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ वर्ष पहले किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि केरल से अन्य राज्यों को भेजी जाने वाली धनराशि, दक्षिण राज्य को अन्य देशों से प्राप्त होने वाली धनराशि का लगभग एक तिहाई है। उन्होंने कहा कि ऐसी आय का आधे से भी कम हिस्सा औपचारिक संस्थागत चैनलों के माध्यम से प्राप्त होता है। दास ने सोमवार को विदेश भेजे जाने वाले धन में लगने वाले समय और लागत को कम करने की वकालत की, जो भारत सहित विभिन्न विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पिछले वर्ष भारत का धन प्रेषण अन्य सभी देशों से बढ़कर 111 अरब डॉलर हो गया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के अनुमान के अनुसार, वैश्विक सीमा पार भुगतान का मूल्य 2027 तक 250 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। दास ने कहा कि सीमा पार श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन की महत्वपूर्ण मात्रा, पूंजी के सकल प्रवाह का बढ़ता आकार और सीमा पार ई-कॉमर्स के बढ़ते महत्व ने इस वृद्धि में उत्प्रेरक का काम किया है।

सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय ने डीजीएमएस का कार्यभार संभाला

एजेंसी
नई दिल्ली

सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय ने सोमवार को नौसेना की चिकित्सा सेवाओं की महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। नौसेना के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि पुणे के प्रतिष्ठित सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (एएफएमसी) की पूर्व छात्रा सहाय इससे पहले सेना चिकित्सा कोर की कर्नल कमांडेंट के रूप में चुनी जाने वाली पहली महिला अधिकारी थीं। बयान में कहा गया, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएमएस-नौसेना) का पदभार संभालने से पहले, वह एएमसी सेंटर एवं कॉलेज की पहली महिला कमांडेंट थीं...। बयान में कहा गया है कि कविता सहाय ने 30 दिसंबर, 1986 को भारतीय सेना में चिकित्सा विभाग में अपनी सेवा शुरू की थी। इसमें कहा गया है कि सहाय ने दिल्ली स्थित एम्स (अखिल भारतीय चिकित्सा आयुर्विज्ञान संस्थान) से पैथोलॉजी तथा ओंकोपैथोलॉजी में विशेषज्ञता हासिल की है। बयान में कहा गया है, अधिकारी एएचआरआर (आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल) और बीएचडीसी (बेस हॉस्पिटल दिल्ली कैंटोनमेंट) में प्रोफेसर और लैब साइंस विभाग की प्रमुख रही हैं। वह पुणे स्थित एएफएमसी के पैथोलॉजी विभाग में भी प्रोफेसर रही हैं। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उनकी विशिष्ट सेवा के सम्मान में सहाय को 2024 में सेना पदक और 2018 में विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

गुजरात भारत को 2047 तक विकसित बनाने की पहल का नेतृत्व करेगा : मुख्यमंत्री पटेल

एजेंसी
गांधीनगर

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को कहा कि 'अमृतकाल' में देश का विकास इंजन बन कर उनका राज्य 2047 तक भारत को विकसित बनाने की पहल का नेतृत्व करेगा। पटेल ने यह टिप्पणी तत्कालीन मुख्यमंत्री (अब प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के दौरान गुजरात में हुए विकास के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'विकास सप्ताह' के तहत दो हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरूआत करते हुए की। मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और इसके बाद से देश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हैं। गुजरात सरकार ने हाल में घोषणा की कि वह सात अक्तूबर 2001 को नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के उपलक्ष्य में हर साल इस तारीख से एक सप्ताह तक 'विकास सप्ताह' मनाएगी। पटेल ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने हमें यह दिखा कर प्रेरणा दी कि एक व्यक्ति भी कितना कुछ कर सकता है।' पटेल ने गुजरात के तीन चरणों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि पहला चरण 1960 में राज्य के गठन से 2001 तक का है जब उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। दूसरा चरण मोदी के नेतृत्व का रहा जब गुजरात ने परिवर्तनकारी बदलाव देखे। उन्होंने कहा, 'तीसरा चरण अमृत काल में प्रवेश कर रहा है। अगले 23 साल में जब हम मोदी के 'विकसित भारत' के वादे को पूरा करने के लिए काम करेंगे। इसके लिए हमें गुणवत्तापूर्ण काम की जरूरत है। वित्तीय रूप से, गुजरात का पहला स्थान है क्योंकि मोदी ने मजबूत नींव रखी है।' पटेल ने कहा, 'मैं आश्वस्त हूं कि 2047 तक हम विकसित भारत के लक्ष्य को विकसित गुजरात के जरिये प्राप्त कर लेंगे और गुजरात भारत को विकसित बनाने में अग्रिम होगा। मुझे भरोसा है कि 2047 तक गुजरात विकसित भारत के लिए बड़ी बढ़त हासिल करेगा। गुजरात देश का विकास इंजन है और बना रहेगा।' पटेल ने कहा कि मोदी ने गुजरात और यहां के लोगों को संकट और चुनौतियों को अवसर में बदलने की संस्कृति दी है। उन्होंने कहा कि मोदी हमें किसी भी तरह की परिस्थिति से उबरने और प्रगति जारी रखने की प्रेरणा देते हैं। पटेल ने कहा कि जब दुनिया हरित ऊर्जा की बात कर रही थी तब बतौर मुख्यमंत्री मोदी ने नवीकरणीय ऊर्जा को व्यवस्थित तरीके से प्रोत्साहित किया और आज राज्य के पास कच्छ में विशालतम नवीकरणीय ऊर्जा पार्क है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में नर्मदा नदी का पानी उत्तरी गुजरात और सौराष्ट्र-कच्छ के इलाके तक पहुंचा और इससे पूरे राज्य में वृहद पैमाने पर बदलाव आया। पटेल ने अपने संबोधन में कहा, 'यह हमारे लिए प्रेरणा का विषय है कि एक व्यक्ति कितना कुछ हासिल कर सकता है। उन्होंने (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने) हर योजना को आम आदमी को केंद्र में रखकर तैयार किया। उन्होंने हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।'

संक्षिप्त-समाचार

दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के मद्देनजर एक जनवरी तक पटाखों पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सोमवार को शहर में सभी तरह के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया, जो एक जनवरी, 2025 तक प्रभावी रहेगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यह घोषणा की और दिल्लीवासियों से वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया। राय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आज से एक जनवरी तक पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'दिल्ली सरकार ने प्रतिबंध के संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं, हम सभी दिल्लीवासियों से सहयोग का अनुरोध करते हैं।' दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने प्रतिबंध का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। यह प्रतिबंध ऑनलाइन बिकने वाले पटाखों सहित सभी प्रकार के पटाखों पर लागू होता है और इसका उद्देश्य बढ़ते प्रदूषण के स्तर को कम करना है, जो सर्दियों में पराली जलाने, हवा की धीमी गति और अन्य मौसमी कारकों के कारण और भी बदतर हो जाता है। निर्देश के अनुसार, दिल्ली पुलिस को प्रतिबंध को लागू करने का काम सौंपा गया है, जिसके संबंध में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को दैनिक कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। एक खेल परिसर के निर्माण स्थल का दौरा कर रहे राय ने कहा, 'आज, वायु गुणवत्ता सूचकांक को 'खराब' श्रेणी में पाया गया है और जैसे-जैसे सर्दी आती है, तापमान गिरने के साथ प्रदूषण बढ़ता जाता है। सरकार इस मुद्दे को हल करने के लिए 21-सूत्रीय योजना पर काम कर रही है। हम इस मामले पर जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के अपने प्रयासों को तेज करेंगे।'

नासिक में 4.97 लाख रुपये मूल्य की मेफेड्रोन जब्त, तीन गिरफ्तार

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक शहर में दो पुरुषों तथा एक महिला को कथित तौर पर 4.97 लाख रुपये मूल्य की मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त संदीप मिटके ने बताया कि फैजल उर्फ दाढ़ी शफी शेख (26), शिबन शफी शेख (25) और हीना शिबन शेख (29) को रविवार को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे प्रतिबंधित सामान बेचने के लिए कार में आए थे। मिटके ने कहा, हमने 4.97 लाख रुपये मूल्य का 99.5 ग्राम मादक पदार्थ (मेफेड्रोन) जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपी शिबन शेख एक हिस्ट्रीशीटर है। वह एक हत्या के मामले में भी नामजद है। तीनों पर स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। वे जिस तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं, उसका पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

हिजबुल्ला के ड्रोन हमले में चार इजराइली सैनिक मारे गए, गाजा में 20 लोगों की मौत

दीर अल-बला। मध्य इजराइल में रविवार को एक सैन्य अड्डे पर हिजबुल्ला के ड्रोन हमले में चार सैनिक मारे गए और सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सेना ने बताया कि लगभग दो सप्ताह पहले इजराइल द्वारा लेबनान पर शुरू किए जमीनी हमलों के बाद से यह आतंकवादी समूह द्वारा किया गया सबसे घातक हमला है। लेबनान के हिजबुल्ला ने बिनयामीना शहर के पास हुए हमले को बेरूत पर बृहस्पतिवार को किए गए इजराइली हमलों का बदला बताया, जिसमें 22 लोग मारे गए थे। बाद में उसने कहा कि उसने इजराइल की गोलानी ब्रिगेड को निशाना बनाया और ड्रोन हमलों के दौरान इजराइली वायु रक्षा प्रणालियों पर दर्जनों मिसाइलें दागीं। इजराइल की राष्ट्रीय बचाव सेवा ने कहा कि हमले में 61 लोग घायल हुए हैं। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से हिजबुल्ला और इजराइल के बीच लगभग हर दिन लड़ाई होती रही है। दो स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, रविवार रात गाजा में हुए इजराइली हवाई हमलों में एक स्कूल के बच्चों सहित कम से कम 20 लोग मारे गए। युद्ध के कारण विस्थापित कई फलस्तीनियों ने नुसरत के उस स्कूल में शरण ले रखी थी। इस बीच, सोमवार को अल-अक्सा मार्टियर्स अस्पताल के बाहर दीर अल-बला में विस्फोट हुआ। अस्पताल ने बताया कि विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई और लगभग 50 अन्य घायल हो गए। तंबुओं में आग लग गई और मध्य गाजा समुदाय के लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

सीमाओं की रक्षा की शपथ के साथ बीएसएफ में शामिल हुए 490 जवान

इंदौर (मध्यप्रदेश)। भारतीय सरहदों की हिफाजत के लिए जान की बाजी लगाने की शपथ के साथ इंदौर में सोमवार को 490 नव आरक्षक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में औपचारिक रूप से शामिल हो गए। बीएसएफ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के सहायक प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित परेड के दौरान इन नव आरक्षकों को केंद्रीय सशस्त्र बल में विधिवत शामिल किया गया और उन्होंने राष्ट्रध्वज तिरंगे के सामने देश की सीमाओं की रक्षा करने की शपथ ली। बीएसएफ के रायपुर स्थित कमान मुख्यालय (विशेष अभियान) के विशेष महानिदेशक रामप्रसाद मीना ने बतौर मुख्य अतिथि शपथ परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। मीना ने अपने संबोधन में नव आरक्षकों को हिदायत देते हुए कहा कि वे पूरी तरह सजग रहकर अपने कर्तव्य को निभाएं और खाली वक्त में मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल करने से बचें। अधिकारियों ने बताया कि 44 सप्ताह के कड़े प्रशिक्षण के बाद बीएसएफ में शामिल होने वाले 490 नव आरक्षकों में त्रिपुरा का एक, बिहार के छह और झारखंड के 483 निवासी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान इन जवानों को भारतीय सरहदों की हिफाजत के लिए शारीरिक व मानसिक रूप से तैयार किया गया और देश की आंतरिक सुरक्षा के वास्ते आतंकवादियों और उग्रवादियों से निपटने के गुर भी सिखाए गए। प्रशिक्षण के दौरान सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए पूरे बैच में पहला स्थान हासिल करने वाले गंगाधर कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,'मेरा बचपन से सपना था कि मुझे सशस्त्र बलों में भर्ती होना है। 10वीं की पढ़ाई के दौरान मैंने बीएसएफ में भर्ती की तैयारी शुरू कर दी थी। आज मेरा सपना पूरा हो गया है।'

ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त पर कनाडा के आरोपों को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली। भारत ने सोमवार को कनाडा के उन संकेतों को 'बेतुका आरोप' बताकर सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त को सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या की जांच से जोड़ा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत को कल कनाडा से एक 'राजनयिक संचार मिला, जिसमें कहा गया था कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उस देश में जांच से संबंधित मामले में 'निगरानी वाले व्यक्ति' हैं'। मंत्रालय ने कहा, 'भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को दृढ़ता से खारिज करती है और इन्हें ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है।' उसने कहा कि भारत अब 'भारतीय राजनयिकों के खिलाफ आरोपों को गढ़ने के कनाडा सरकार के इन नवीनतम प्रयासों' के जवाब में आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'चूंकि प्रधानमंत्री ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, इसलिए कनाडा सरकार ने हमारी ओर से कई अनुरोधों के बावजूद भारत सरकार के साथ सबूतों का एक अंश भी साझा नहीं किया है।'

झारखंड चुनाव के लिए सीट बंटवारे की बातचीत 'लगभग फाइनल': हिमंत

एजेंसी
रांची

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे की व्यवस्था 'लगभग फाइनल' है और चुनाव की घोषणा के 48 घंटे के भीतर उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी जाएगी। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी शर्मा पार्टी की चुनाव समिति की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'राजग के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारा लगभग तय हो चुका है। जैसे ही निर्वाचन आयोग आदर्श आचार संहिता घोषित करेगा, हम 24 से 48 घंटे में अपनी पहली सूची जारी कर देंगे। हमें निर्वाचन आयोग की घोषणा का इंतजार है।' शर्मा ने कहा कि सीट बंटवारे पर बनी सहमति के अनुसार सुदेश महतो के नेतृत्व वाली आजसू पार्टी 9-11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, 'आजसू पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत लगभग फाइनल है। एक सीट को लेकर कुछ दिक्कत है। हम मंगलवार तक उसका समाधान कर लेंगे।' उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) दो विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी, वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान के विदेश से लौटने के बाद बुधवार या बृहस्पतिवार को होगी। भाजपा नेता ने कहा कि पांच या छह सीट को छोड़कर लगभग सभी सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बचे हुए नामों पर भी फैसला जल्द ले लिया जाएगा।

दुबई से 816 ग्राम सोने की तस्करी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 24 कैरेट के 816 ग्राम सोने की तस्करी करने की कोशिश के आरोप में दो यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि दुबई से आये यात्रियों को दो कंगन के रूप में सोने की तस्करी करने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दिल्ली सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, खुफिया जानकारी के आधार पर, दुबई से आये दो यात्रियों को 11 अक्तूबर को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग द्वारा 816 ग्राम वजन वाले दो कड़े के रूप में 24 कैरेट सोने की तस्करी करने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मामले में जांच जारी है।

बम की धमकी के बाद एअर इंडिया के मुंबई-न्यूयॉर्क विमान का मार्ग परिवर्तित कर दिल्ली भेजा गया

एजेंसी
नई दिल्ली

मुंबई से 239 यात्रियों को लेकर न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की एक उड़ान में सोमवार को बम होने की धमकी मिलने के बाद उसका मार्ग परिवर्तित कर उसे दिल्ली हवाई अड्डा भेजा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मानक सुरक्षा 'प्रोटोकॉल' का पालन करते हुए, गहन निरीक्षण किया गया और विमान के अंदर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा, '14 अक्तूबर को मुंबई से न्यूयार्क का जॉन एफ कैनेडी (जेएफके) अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जाने वाली उड़ान संख्या एआई-119 को विशेष सुरक्षा चेतावनी मिली और सरकार की सुरक्षा नियामक समिति के निर्देश पर विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे दिल्ली भेजा गया।' बयान में कहा गया है, 'इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण यात्रियों को होने वाली असुविधा दूर करने के लिए कर्मचारी कार्य कर रहे हैं।' विमान पर सवार सभी 258 लोग उतर चुके हैं और फिलहाल सुरक्षा प्रक्रियाओं से गुजर रहे हैं। सुरक्षा 'प्रोटोकॉल' पूरा होने के बाद यात्रियों को होटलों में ले जाया जाएगा। विमान में 239 यात्री और चालक दल के 19 सदस्य सवार थे। विमानन कंपनी ने कहा कि उड़ान का समय पुनर्निर्धारित कर दिया गया है और अब यह मंगलवार को सुबह दिल्ली से न्यूयॉर्क के लिए रवाना होगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान की गहन जांच की गई और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक 'प्रोटोकॉल' का पालन किया जा रहा है।' उन्होंने बताया कि जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

दो ट्रकों के बीच कार फंसने से पांच लोगों की मौत

एजेंसी
कानपुर (उप्र)

कानपुर के पनकी इलाके में रूमा-भौंती फ्लाईओवर पर सोमवार की सुबह तेज गति से जा रहे दो ट्रकों के बीच एक कार के फंस जाने से एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के चार छात्रों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब छात्र अपने कॉलेज जा रहे थे। उन्होंने बताया कि दुर्घटना इतनी भीषण थी कि क्षतिग्रस्त कार को काटकर शवों को बाहर निकाला गया। उनके अनुसार, मृतक छात्रों की पहचान आयुषी पटेल (कंप्यूटर साइंस की प्रथम वर्ष की छात्रा), गरिमा त्रिपाठी (कंप्यूटर साइंस की द्वितीय वर्ष की छात्रा), सतीश कुमार (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र) और प्रतीक सिंह (इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के चतुर्थ वर्ष के छात्र) के रूप में हुई है। चालक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। सिंह ने बताया, चारों छात्र एक कार में सवार होकर पीएसआईटी (प्रणवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) जा रहे थे और पनकी के पास उनकी कार दो ट्रकों के बीच फंस गई।' इस भीषण दुर्घटना में चार छात्रों और एक ड्राइवर समेत पांच लोगों की मौत हो गई। डीसीपी ने बताया कि जानलेवा दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा और क्षतिग्रस्त कार को काटकर शवों को बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि दोनों ट्रकों के चालक दुर्घटना के बाद ट्रक छोड़कर फरार हो गए, उनकी तलाश की जा रही है। दोनों ट्रकों को जब्त कर लिया गया है। डीसीपी ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बाजार | **बीएसई मिडकैप 0.28 प्रतिशत चढ़ा, स्मॉलकैप सूचकांक 0.06 प्रतिशत मजबूत हुआ**

आईटी, बैंक शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 592 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,000 अंक के पार

एजेंसी
मुंबई

वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बैंक शेयरों में लिवाली से बीएसई सेंसेक्स में सोमवार को करीब 592 अंक की तेजी आई। एनएसई निफ्टी भी बढ़त के साथ 25,000 अंक के पार निकल गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 591.69 अंक यानी 0.73 प्रतिशत उछलकर 81,973.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 690.81 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 163.70 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,127.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 195.5 अंक तक चढ़ गया था। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और एचसीएल टेक्नोलॉजीज लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शामिल हैं। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये चढ़कर 4,63,62,781.71 रुपये पर पहुंच गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है और ऐसा लगता है कि कंपनियों के हल्के तिमाही परिणामों को निवेशक पहले ही मानकर चल रहे हैं। इसके साथ भारतीय बाजार मजबूती दिखा रहा है। आईटी और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में निवेशकों की रुचि दिख रही है। इसका कारण हाल में इन शेयरों के भाव में आई कमी है।' मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप 0.28 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों से जुड़ा स्मॉलकैप सूचकांक 0.06 प्रतिशत मजबूत हुआ। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे, 'कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से बाजार को गति मिली। बैंक, आईटी और रियल्टी शेयरों में तेजी के साथ बाजार लाभ में रहा।' उन्होंने कहा, 'चूंकि एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) बाजार से पैसा निकाल रहे हैं, ऐसे में बाजार में इस तेजी से कोई मजबूत धारणा बनती संभवतः नहीं दिख रही है। इसका एक और कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव है, जिससे निवेशकों के बीच अनिश्चितता बढ़ी है।' एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे, जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट आई।

पालमपुर में मुख्य एसडीआरएफ प्रशिक्षण संस्थान किया जाएगा स्थापित: सुक्खू

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस समर्थ-2024 कार्यक्रम की अध्यक्षता की

सिटी दर्पण
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस ह्यसमर्थ-2024 की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आपदा के प्रभावी प्रबन्धन में जागरूकता महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, जिससे जान-माल की क्षति को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण आपदा की घटनाओं में वृद्धि हुई है। इसलिए आपदाओं का बेहतर प्रबन्धन सुनिश्चित कर हमें इन चुनौतियों के साथ जीना सीखना होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्याप्त धनराशि व्यय कर लोगों को आपदा से निपटने की तैयारियों के बारे में जागरूक कर रही है और आपदा से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए कई उपाय अपनाए जा रहे हैं। आपदा की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्राधिकरण को सदैव तैयार रहना चाहिए। इस दिशा में फ्रांस की एजेंसी एएफडी के सहयोग से 800 करोड़ रुपये की परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है और मिटीगेशन फंड से 500 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पालमपुर में एक मुख्य एसडीआरएफ प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की घोषणा भी की। राज्य सरकार प्रदेश में बेहतर मौसम पूवार्नुमान के लिए बुनियादी अधोसंरचना को भी सुदृढ़ कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1905 में प्रदेश में पहली बड़ी प्राकृतिक आपदा में कांगड़ा जिला में भूकंप के कारण 20,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। पिछले वर्ष मॉनसून के दौरान प्रदेश के लोगों ने तबाही का मंजर देखा, जिसमें 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई और 10,000 करोड़ रुपये की सार्वजनिक और निजी सम्पत्ति का नुकसान हुआ था। केंद्र सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता न मिलने के बावजूद, राज्य सरकार ने 23,000 प्रभावित परिवारों का पुनर्वास किया और 4,500 करोड़ रुपये का आपदा राहत पैकेज लागू किया है। इस पैकेज के तहत पूरी तरह से नष्ट हो चुके घरों के लिए मुआवजे की राशि 1.30 लाख रुपये से बढ़ाकर सात लाख रुपये किया गया। इसके अलावा, सरकार ने आपदाओं के दौरान लापता हुए लोगों के परिवारों के लिए मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए नियमों में संशोधन भी किया है।

मुख्यमंत्री ने आपदा राहत प्रयासों में राजनीतिक हस्तक्षेप की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदेश को अभी तक आपदा उपरांत आवश्यकता आकलन (पीडीएनए) के 10,000 करोड़ रुपये नहीं मिले हैं। विपक्ष द्वारा खड़ी की गई तमाम बाधाओं के बावजूद उनके निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के

मामलों में राजनीति नहीं होनी चाहिए और प्रभावित लोगों को पूरी सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

आपदा के दौरान, उन्होंने 72 घंटे तक स्वयं आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर बचाव व राहत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से राज्य से 75,000 पर्यटकों और 15,000 वाहनों को सुरक्षित निकालने का अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी प्राकृतिक आपदा के बावजूद 48 घंटों के भीतर, बिजली, पानी और संचार जैसी आवश्यक सेवाओं को अस्थायी रूप से बहाल किया गया, जिससे राहत कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में मदद मिली। राज्य सरकार ने किसानों, विशेष रूप से सेब उत्पादकों की उपज को सुरक्षित रूप से मंडियों तक पहुंचाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की, ताकि उन्हें अपने उत्पादों के बेहतर दाम मिले। विश्व बैंक, नीति आयोग और पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने राज्य के प्रभावी आपदा प्रबन्धन कार्यों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने आपदा के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी की अगुवाई में प्रदेश सरकार ने लाहौल-स्पीति जिला के चंद्रताल से 303 फंसे पर्यटकों को सफलतापूर्वक बचाया और सभी पर्यटकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की गई।

हिमाचल प्रदेश का स्वच्छ और हरित पहाड़ी राज्य का स्वरूप बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए समाज के सभी वर्गों को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने 31 मार्च, 2026 तक हिमाचल को हरित ऊर्जा राज्य के रूप में स्थापित करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों के दोहन पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ किया और हिमाचल प्रदेश में महत्वपूर्ण भवनों के लिए भूकंप रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम की भी शुरूआत की। सरकार की इस पहल को सीबीआरआई रुड़की, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और एनआईटी हमीरपुर की तकनीकी विशेषज्ञता का सहयोग मिलेगा। इसके अतिरिक्त, बाल रक्षा भारत और जी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के सहयोग से जिला सोलन की ग्राम पंचायत बवासनी में रेजिलिएंट मॉडल विलेज विकसित करने के लिए रीबिल्डिंग लाइव नामक एक कार्यक्रम भी शुरू किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की उपस्थिति में हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एचपीएसडीएमए) ने प्रदेश में इंजीनियरों, वास्तुकारों, बिल्डरों और राज मिस्त्रियों के कौशल उन्नयन के लिए सीबीआरआई रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत जिला कांगड़ा के रैत में एएफडी कार्यक्रम के लक्ष्यों के अनुरूप एक प्रशिक्षण और प्रदर्शन इकाई (टीडीयू) स्थापित की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय भवन अनुसंधान रूड़की के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए प्रकाशन कवच-1 व कवच-2 का विमोचन किया। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को सम्मानित किया और इस मॉनसून के दौरान समेज, बागीपुल, राजबन में बादल फटने की घटनाओं के दौरान किए गए असाधारण राहत कार्यों के लिए विभिन्न व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया हेतु युवा स्वयंसेवियों की टास्क फोर्स के लिए जिला कांगड़ा और चम्बा को ह्यसर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले जिला पुरस्कार से सम्मानित किया। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने रिज पर आपदा जागरूकता प्रदर्शनी का शुभारम्भ भी किया। विधायक हरीश जनारथा, नगर निगम शिमला के महापौर सुरेन्द्र चौहान, उप-महापौर उमा कौशल, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व ओंकार चंद शर्मा, एडीजीपी सतवंत अटवाल, सीबीआरआई, रूड़की के निदेशक प्रदीप कुमार, विशेष सचिव राजस्व डीसी राणा, उपायुक्त अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी इस अवसर पर उपस्थित थे।

राज्यपाल ने प्रीणी स्थित अटल आवास का किया दौरा

सिटी दर्पण
शिमला

हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने जिला कुल्लू के चार दिवसीय प्रवास के दौरान आज मनाली पहुंचने पर प्रीणी स्थित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के आवास का दौरा किया। उन्होंने परिसर में कुछ समय व्यतीत किया और श्री अटल जी के साथ बिताए पलों और स्मृतियों को याद किया। इस अवसर पर लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला भी उनके साथ मौजूद रहीं। अटल जी को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्हें हिमाचल और यहां के लोगों से विशेष बहुत लगाव था। वह इसे अपना दूसरा घर मानते थे। यहां के शांतिपूर्ण माहौल में उन्होंने कई कविताएं लिखी हैं। राज्यपाल ने रोरिक आर्ट गैलरी और नग्गर कैसल का दौरा भी किया। राज्यपाल ने कहा कि कलाकार निकोलस रोरिक ने अपनी अद्भुत कला के माध्यम से हिमाचल की खूबसूरती को चित्रों में उकेरा है। यह गैलरी भारत और रूस के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंधों को प्रदर्शित करती है। इससे पहले, राज्यपाल ने काईस मॉनेस्ट्री का भी दौरा किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव चंद्र प्रकाश वर्मा और जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

जिस ईवीएम से मुख्यमंत्री बने, उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न उठा रहा हैं सुक्खू: जयराम

सिटी दर्पण
मंडी

- जिन झूठी गारंटियों कांग्रेस को हिमाचल में जिताया, उसने ही हरियाणा में हराया
- राज्यसभा से लेकर लोकसभा के चुनावों ने देख लिया है कि किसका गणित कितना मजबूत है

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जिस ईवीएम से इस बार चुनकर आए हैं। उनकी पार्टी के 40 विधायक चुनकर आए हैं। जिसके कारण वह हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेहैं। उसी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं। अपने आकाओं को खुश करने के लिए वह बेहद गैर जिम्मेदराना और अलोकतांत्रिक बयान दे रहे हैं। एक चुने हुए मुख्यमंत्री के लिए इससे शर्मनाक बयान नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री लोकतंत्र, जनादेश और जनमत का अपमान कर रहे हैं। इसके पहले भी वह तीन बार इस ईवीएम मशीन द्वारा चुनकर विधानसभा पहुंचे। उनके सुर में और मिलने वाले उनके अन्य सहयोगी भी इसी ईवीएम मशीन से जनमत पाकर कई बार विधानसभा में पहुंचे और एक माननीय के रूप में विभिन्न वैधानिक पदों को सुशोभित किया। उसके बाद भी सिर्फ अपने आला कमान को खुश रखने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाना शर्मनाक, औचित्यहीन और गैर जिम्मेदाराना है। जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की हार का कारण कांग्रेस का सफेद झूठ बोलना जनहित से अलग पार्टी हित और अपने नेताओं के हित को ध्यान में रखकर काम करना है। कांग्रेस की हार का करण देश भर में कांग्रेस की राज्य सरकारों का प्रदर्शन है, जो जनहित और प्रदेश हित के बजाय खुद और खुद से जुड़े हुए लोगों का हित करने का काम करती है। कांग्रेस की हार का कारण हिमाचल में दी गई झूठी गारंटियां हैं। जिसके कारण हरियाणा के लोग सतर्क हुए और कांग्रेस की ठगी की योजना कामयाब नहीं होने पाई। हिमाचल प्रदेश सरकार की नाकामी के किस्से पूरे भारत में पहुंचे। लोगों ने भली भांति देखा कि झूठ बोलकर सत्ता हासिल करने के बाद कांग्रेस के मुख्यमंत्री विधानसभा के अंदर खड़े होकर कहते हैं कि हमने एक सरकारी नौकरी देने की कोई गारंटी नहीं दी थी और सदन के अंदर ही विधानसभा अध्यक्ष मुख्यमंत्री के झूठ को बेनकाब करते हैं और कहते हैं कि 1 लाख सरकारी नौकरी देना का वादा कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। हरियाणा के लोगों ने यह भी देखा कि किस तरह पड़ोसी राज्य में मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों, विधायकों और मित्रों पर खूब रकम खर्च कर रहे हैं लेकिन कर्मचारियों को देने के लिए वेतन और पेंशन का समय से प्रबंध नहीं कर पा रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्यसभा चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव तक हिमाचल प्रदेश से लेकर देश भर के लोगों ने कायदे से देख लिया है कि किसका गणित कमजोर है और किसका मजबूत। कांग्रेस के 40 और तीन निर्दलीय विधायकों के साथ सरकार चलाने वाले मुख्यमंत्री राज्यसभा चुनाव में 25 विधायकों वाली भारतीय जनता पार्टी से नहीं जीत पाए।

संक्षिप्त-समाचार

कुल्लू-जयपुर हवाई सेवा शुरू, एलायंस एयर के विमान का वाटर केनन से स्वागत

शिमला। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा के ऐन मौके पर भुंतर के लिए पिंक सिटी जयपुर से नई हवाई सेवा शुरू हुई है। सोमवार को जयपुर से उड़ान भरकर आए एलायंस एयर के एटीआर-72 जहाज का भुंतर हवाई अड्डे में वाटर केनन से स्वागत किया गया। पहले ही दिन हवाई जहाज पैक होकर आया है। उड़ान सेवा शुरू होने से पर्यटन को भी पंख लगेंगे। पर्यटन कारोबारियों में भी खुशी की लहर है। क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत यात्री मात्र 2,500 रुपये में एलायंस एयर के जहाज में सफर कर सकेंगे। हफ्ते में यह सेवा जयपुर के लिए सोमवार और बुधवार को सुबह 10:35 बजे संचालित होगी। 28 अक्तूबर के बाद यह फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, वीरवार और शनिवार को संचालित होगी। हवाई सेवा आरंभ होने पर कुल्लू-मनाली हवाई अड्डे के निदेशक सिद्धार्थ कदम ने एयरलाइन कर्मचारियों, सीआईएसएफ और यात्रियों की उपस्थिति में केक काटा। जयपुर से कुल्लू आई उड़ान में 55 सवारियां पहुंचीं, जबकि 21 लोगों ने कुल्लू से जयपुर के लिए उड़ान भरी। वहीं, कुल्लू-मनाली हवाई अड्डा अब दिल्ली, अमृतसर, देहरादून के बाद जयपुर से जुड़ गया है। सिद्धार्थ कदम ने कहा कि भुंतर हवाई अड्डे को देश के अन्य शहरों से जोड़ने की भी योजना है, जिससे कुल्लू-मनाली के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। 1 घंटे 55 मिनट की इस फ्लाइट में एलायंस एयर का 72 सीटर जहाज जयपुर हवाई अड्डे से सुबह 8:20 बजे उड़ान भरेगा और सुबह 10:15 बजे लैंड करेगा। कुछ समय रुकने के बाद जहाज 10:35 बजे सुबह वापस जयपुर को उड़ेगा और 12:40 बजे पहुंचेगा। होटल एसोसिएशन मनाली के अध्यक्ष मुकेश ठाकुर, गजेंद्र ठाकुर, गौतम ठाकुर व मनु शर्मा ने कहा कि देश के दूसरे शहरों के लिए हवाई सेवाओं के विस्तार से पर्यटन को गति मिलेगी।

कमलेश ठाकुर ने सकरी और बिलासपुर में सुनी जनसमस्याएं

धर्मशाला। देहरा विधानसभा क्षेत्र की विधायक कमलेश ठाकुर आज सोमवार को ग्राम पंचायत सकरी और बिलासपुर में जाकर लोगों से मिलीं तथा उनको पेश आ रही समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुनते हुए उनसे संवाद स्थापित किया। कमलेश ठाकुर ने कहा कि देहरा के लोगों को रोजमर्रा की छोटी-छोटी समस्याओं के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें तथा उनकी दिक्कतों का समाधान घर द्वार पर ही सुनिश्चित हो, ऐसी उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस बाबत अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि देहरा के कायाकल्प को लेकर कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर सरकार काम कर रही है। साथ ही यहां की जनता को सड़क, बिजली, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए कोई समस्या न आए इसके लिए वे स्वयं पंचायतों में जाकर लोगों से बात-चीत कर उनसे फीडबैक ले रही हैं। इसी के तहत आज सकरी और बिलासपुर की जनता के बीच उनकी समस्याओं को जानने वे यहां आई हैं। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार सड़क, पानी और बिजली संबंधी समस्याओं के निवारण पर प्राथमिकता से ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि पंचायतों में चल रही समस्याओं का उन्हे ध्यान है और जल्द ही इसका निपटारा कर लिया जाएगा। कमलेश ठाकुर ने दोनों पंचायतों में जनसमस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना और उनका निवारण सुनिश्चित किया। उन्होंने अधिकारियों को भी लंबित समस्याओं का समय से निवारण करने के निर्देश भी दिए। अपनी पंचायत में पधारने पर पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने विधायक कमलेश ठाकुर का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर डीएफओ देहरा सन्नी वर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुरेश वालिया, नायब तहसीलदार हरिपुर स्वतंत्र, एसडीओ पीडब्ल्यूडी गुरबचन चौधरी, जिला परिषद सदस्य वीना धीमान, बीडीसी मंजीत सिंह, पूर्व जिला परिषद किरण, सचिव इंद्रजीत शर्मा, सकरी बूथ प्रधान राम स्वरूप शर्मा, दरगीयाह बूथ प्रधान करण सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन धीमान, अजय, जीत सिंह कोंडल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी व बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उचित मूल्य की दुकान के लिए आवेदन आमंत्रित, 30 अक्तूबर तक करें आवेदन

शिमला। लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत विकास खण्ड चौपाल की ग्राम पंचायत मकडोग के गांव मकडोग (चौथ), विकास खण्ड चौपाल की ग्राम पंचायत धनत के गांव कान्दल, शिमला शहर के वार्ड नं. 4 अनाडेल के मकान नं. 108 तथा शिमला शहर के वार्ड नं. 16 जाखू में उचित मूल्य की दुकान आवंटित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसे जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्तूबर, 2024 निर्धारित की गई है। यह जानकारी जिला नियंत्रक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले श्रवण कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार, संस्था, ग्राम पंचायत या सहकारी सभा पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। श्रवण कुमार ने बताया कि आवेदन करने के लिए न्यूनतम योग्यता मैट्रिक है। आवेदन प्रपत्र के साथ मैट्रिक प्रमाण पत्र तथा अन्य उच्च शिक्षा प्रमाण पत्र, यदि शिक्षित बेरोजगार है, तो बेरोजगार प्रमाण पत्र, जिसमें परिवार का कोई भी सदस्य नियमित नियोजन में नहीं है, का प्रमाण पत्र जो कि संबंधित तहसीलदार द्वारा सत्यापित होना चाहिए। प्राथमिकता की जिस श्रेणी से प्रार्थी आवेदन कर रहा है उसका प्रमाण पत्र, सेम वार्ड का प्रमाण पत्र, जोकि ग्रामीण क्षेत्र में प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत व शहरी क्षेत्र में पार्षद नगर निगम क्षेत्र से जारी किया गया हो या अन्य दस्तावेज। एससी/एसटी परिवार से सम्बन्धित है तो उसका प्रमाण पत्र, बीपीएल/अंतोदय से संबंधित प्रमाण पत्र तथा संस्था द्वारा आवेदन किया जाता है तो उसका पंजीकरण प्रमाण पत्र व उस स्थिति में उसके विक्रेता की शैक्षणिक योग्यता दसवीं होना आवश्यक है।

कलाकारों ने फोक मीडिया के माध्यम से दिया सुरक्षित भवन निर्माण का संदेश

सिटी दर्पण
चम्बा

समर्थ-2024 कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकारण के सौजन्य से कलाकारों ने फोक मीडिया के माध्यम से आज उपमंडल ड़लहौजी और चुराह में ग्रामीणों को सुरक्षित भवन निर्माण में प्रयोग की जाने वाली तकनीकों और सामग्री के अलावा निर्माण के समय बरती जाने वाली महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे जागरूक किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम के तहत सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग से संबद्ध निजी नाट्य दल आर्यन कला मंच द्वारा बस स्टैंड भंजराड़ू व नकरोड बाजार तथा वंदना कला मंच द्वारा बस स्टैंड सलूणी और सुंडला बाजार में लोगों को नुक्कड़-नाटकों के जरिए भूकंपरोधी भवन की निर्माण संबंधी आवश्यक जानकारी दी गयी।

कलाकारों ने बताया कि किसी भी प्रकार की आपदाओं से सुरक्षित रहने के लिए उचित तकनीक से घरों का निर्माण करना बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया है कि भवनों के निर्माण से पूर्व तथा किसी भी प्रकार का संरचनात्मक बदलाव करने से पूर्व विशेषज्ञ वास्तुकार से परामर्श अवश्य लें ताकि भूकम्प या अन्य किसी प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। नाटय दलों ने सुरक्षित भवन निर्माण के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीकों और गुणवत्तायुक्त सामग्री इत्यादि के बारे में भी लोगों को जागरूक किया।

सरकार के प्रयासों से प्रदेश के युवाओं के पहले बैच को विदेश में प्राप्त हुए रोजगार के अवसर: सुक्खू

सिटी दर्पण
शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार की युवाओं के लिए विदेश में रोजगार के अवसर प्रदान करने की पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। आज इस योजना के अंतर्गत पांच युवाओं का पहला बैच अपनी नई भूमिका शुरू करने के लिए सऊदी अरब पहुंच गया। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इन युवाओं को 31 अगस्त, 2024 को शिमला में नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। इन युवाओं में ऊना जिला के रजत कुमार, सुनील कुमार, जसप्रीत सिंह और अभिनव तथा जिला हमीरपुर के दिनेश शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेश में रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार ने यूएई स्थित दुबई में ईएफएस फैसिलिटीज सर्विसिज ग्रुप लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया है। दिसम्बर, 2023 में मुख्यमंत्री की दुबई यात्रा के उपरांत इएफएस ने विदेश भर्ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हिमाचल से 15-20 प्रतिशत भर्तियां करने का लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत आतिथ्य, तकनीकी सेवाओं, हाउस कीपिंग, खाद्य व पेय पदार्थ और कार्यालय सहायक जैसे क्षेत्रों में प्रदेश से प्रतिवर्ष लगभग 1000 उम्मीदवारों को दुबई में रोजगार दिया जाएगा। इसके अलावा, श्रम एवं रोजगार विभाग को विदेश में कार्य कर रहे युवाओं का कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रदेश सरकार की विदेश में राज्य के युवाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने सिर्फ 20 माह के अपने कार्यकाल के दौरान सरकारी क्षेत्र में 31000 पद सृजित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए भी सकारात्मक दृष्टिकोण से कार्य कर रही है ताकि भविष्य में अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के लिए विदेश में और अवसर प्राप्त हों। इस पहल से राज्य के युवा ऐजेंटों के शोषण से बचेंगे और विदेश में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने स्वरोजगार को और अधिक बढ़ावा देने के लिए राजीव गांधी स्टार्ट-अप योजना भी आरम्भ की है। इस योजना से राज्य के युवा स्वयं के उद्यम और स्थायी आजीविका अर्जन के लिए प्रेरित होंगे और आत्मनिर्भर बनेंगे।

जल शक्ति विभाग की चल रही परियोजनाओं के लिए 3 करोड़ की घोषणा

उपमुख्यमंत्री ने कुल्लू में 18.20 करोड़ की पेयजल योजनाएं की लोकार्पित

सिटी दर्पण
कुल्लू

- 6 पंचायतों की 11 हजार की जनसंख्या होगी लाभान्वित

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज कुल्लू प्रवास के दौरान सुमा में लगभग 18 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित जलशक्ति विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण कर उन्हें क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। उन्होंने पीज फाटी की करीब 16 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से निर्मित उठाऊ पेयजल योजना का उद्घाटन किया, इससे फाटी, पीज व भुमतीर के गांवों के लगभग 8050 लोगों को पेयजल उपलब्ध होगा।

उन्होंने 1 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से उठाऊ पेयजल योजना का भी उद्घाटन किया। इस पेयजल योजना से ग्राम पंचायत डुगीलग के सुमा, छुरला, धाराबाग व भालठा गांवों की करीब 3000 आबादी लाभांवित होगी। इससे दूर-दराज के इलाकों में पानी की समस्याओं से निजात मिलेगी।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने सुमा में आयोजित जनसभा में कहा कि विभाग की ओर से कुल्लू में पेयजल की 708 योजनाएं पूरी कर दी गई है और 111 पर काम चल रहा है। सिंचाई की 89 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं और 49 योजनाओं पर काम चल रहा है। बाढ़ नियंत्रण की 29 योजनाएं पूर्ण हो चुकी है और 7 योजनाओं पर काम चल रहा है। मल निकासी की 4 योजनाएं पूर्ण कर ली गई है और 5 योजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने कुल्लू क्षेत्र की जल शक्ति विभाग की चल रही योजनाओं के लिए तीन करोड़ जारी करने की घोषणा की।

उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि कुल्लू में नाबार्ड में 187 करोड़ की 38 पेयजल योजनाओं की स्वीकृत प्राप्त हुई है इनमें से 5 योजनाएं पूर्ण कर ली गई है वह 33 पर कार्य प्रकृति पर है। इस वर्ष 2024- 25 में कुल्लू जिले में विभिन्न पेयजल सिंचाई व मल निकासी योजनाओं पर कुल 38 करोड रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त बाढ़ नियंत्रण के तहत इस वर्ष कुल्लू जिला की 24 योजनाएं मंजूर हुई हैं। जिन पर कुल 158 करोड रुपए खर्च किए जा रहे हैं इसके तहत व्यास नदी के किनारे तटीकरण किया जाएगा। 158 करोड़ में से कुल्लू विधानसभा क्षेत्र में 68 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त भुंतर शहर के लिए 24 घंटे पेयजल आपूर्ति योजना मंजूर की गई है जिस पर 22 करोड रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर ने उपमुख्यमंत्री का आभार जताते हुए जनता को संबोधित किया। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कुल्लू भुट्टी चौक से पथ परिवहन की दो बसों की विधिवत पूजा अर्चना करके हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कुल्लू से बुआई वाया बागन बस में लगभग तीन किलोमीटर का सफर किया।

इस दौरान मुख्य संसदीय सचिव सुन्दर सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कमेटी बुद्धि सिंह ठाकुर, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सेस राम आजाद, जलशक्ति विभाग व परिवहन निगम के अधिकारी वह अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मसौदा विधेयक में खेल निकायों में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व: खेल मंत्री मांडविया

'भारत की ओलंपिक मेजबानी की दावेदारी के लिए खेलों में 'सुशासन' महत्वपूर्ण'

एजेंसी
नई दिल्ली

सरकार द्वारा हाल ही में तैयार किये गये राष्ट्रीय खेल विधेयक के मसौदे में लैंगिक समानता को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए), भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) और सभी राष्ट्रीय महासंघों में 30 प्रतिशत महिलाओं के प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया गया है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को यह जानकारी दी। मांडविया के अनुसार मसौदा विधेयक में यह भी प्रावधान है कि आईओए, पीसीआई और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) की आम सभा में मतदान करने वाले सदस्यों में से 10 प्रतिशत उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी होंगे। विधेयक का मसौदा 10 अक्टूबर को प्रसारित किया गया था, जिसमें पूर्व विधायी परामर्श प्रक्रिया के तहत आम जनता और हितधारकों से टिप्पणियां/सुझाव आमंत्रित किए गए थे। मांडविया ने कहा कि मसौदा विधेयक का उद्देश्य भारत के उभरते खेल परिदृश्य के अनुरूप मौजूदा ढांचे का 'आधुनिकीकरण और अपडेट' करना है। उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'यह विधेयक कार्यकारी समितियों और अन्य शासी निकायों में लिंग प्रतिनिधित्व को अनिवार्य बनाता है। यह सुनिश्चित करता है कि इसमें कम से कम 30 प्रतिशत सदस्य महिलाएं हैं, जो लैंगिक समानता और खेलों में समावेशिता में वैश्विक रुझानों के अनुरूप है।' खेल

> आईओए, पीसीआई और राष्ट्रीय खेल महासंघों की आम सभा में मतदान करने वाले सदस्यों में से 10 प्रतिशत उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी होंगे

मंत्री ने कहा, 'विधेयक यह भी सुनिश्चित करता है कि एनओसी (राष्ट्रीय ओलंपिक समिति), एनपीसी (राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति) और एनएसएफ के सामान्य निकाय में 10 प्रतिशत मतदान सदस्य 'उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी' हों, जो एथलीट आयोग द्वारा चुने जाते हैं। इनमें से कम से कम दो प्रतिनिधियों (एक पुरुष और एक महिला) को कार्यकारी समिति में काम करना होगा।' उन्होंने कहा कि विधेयक का मसौदा 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की भारत की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

मसौदा विधेयक में अपीलीय खेल पंचाट की स्थापना के माध्यम से खेलों में शिकायतों के तेजी से समाधान का प्रावधान भी है। मांडविया ने कहा कि भारत की ओलंपिक मेजबानी की दावेदारी के लिए खेलों में 'सुशासन' महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'एक समर्पित अपीलीय खेल पंचाट भारत में खेल से संबंधित सभी विवादों की सुनवाई करेगा जिससे दीवानी अदालतों पर निर्भरता कम होगी और शिकायतों का तेजी से समाधान सुनिश्चित होगा। इससे अदालती मामलों की बहुलता कम हो जाएगी और एकल खिड़की प्रणाली होगी तथा विवादों का तेज, सस्ता और आसान समाधान उपलब्ध होगा।' मसौदा विधेयक के तहत जिन मामलों को अपीलीय खेल पंचाट को निर्धारित करने का अधिकार है उस पर किसी भी दीवानी अदालत के पास मुकदमे या कार्यवाही पर विचार करने का अधिकार नहीं होगा।

अपीलीय खेल पंचाट के फैसले पर हालांकि सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र पूरी तरह से नहीं हटाया गया है। मांडविया ने कहा कि यदि मसौदा विधेयक संसद द्वारा पारित हो जाता है तो यह उन राज्यों के लिए एक खाका के रूप में भी काम करेगा, जिन्होंने अभी तक अपनी खेल नीतियां स्थापित नहीं की हैं मसौदा विधेयक में भारतीय खेल नियामक बोर्ड की स्थापना का प्रावधान है। यह एनएसएफ को मान्यता देने के साथ शासन, वित्तीय तथा नैतिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार केंद्रीय नियामक प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगा। मंत्री ने कहा, 'इसमें देश में खेलों के प्रशासन को विनियमित करने में लचीलापन और स्वायत्तता होगी। एनएसएफ को कैसे मान्यता दी जाएगी, इसके लिए कोई निश्चित फॉमूर्ला नहीं दिया गया है।'

न्यूजीलैंड के लिए जरूरी है अश्विन, जडेजा के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी: रचिन रविंद्र

एजेंसी
बेंगलुरु

न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने सोमवार को कहा कि अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के दोहरे खतरे से निपटना भारत के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में उनकी टीम की सफलता के लिए महत्वपूर्ण होगा। अश्विन और जडेजा ने टेस्ट में मिलकर 800 से अधिक विकेट हासिल किए हैं। यह दोनों वर्तमान में विश्व क्रिकेट में सबसे अनुभवी गेंदबाजी जोडियों में से एक हैं। रचिन ने सोमवार को यहां कहा, 'वे लंबे समय तक एक क्षेत्र में गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं। मेरा मतलब है आप दो स्पिनरों को देखते हैं जो लगातार खेलते हैं। अश्विन और जडेजा दोनों बहुत ही कुशल गेंदबाज हैं। आप जानते हैं कि वे बल्लेबाजी भी कर सकते हैं जिससे प्रतिद्वंद्वी टीम के लिए परिस्थितियां थोड़ी कठिन हो जाती है।' उन्होंने कहा, 'वे निरंतर अच्छी गेंदबाजी करते हैं। खासकर दुनिया के इस हिस्से में उनके खिलाफ अच्छा संघर्ष होगा। हम जानते हैं कि भारत घरेलू परिस्थितियों में अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की गुणवत्ता में कितना अच्छा है। इससे पता चलता है कि किसी टीम के लिए यहां आकर जीतना कितना कठिन है। यह काफी मुश्किल होगा।' रचिन को हालांकि भारत में अपने पिछले अनुभव के दम पर आगामी टेस्ट श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है।

इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व किया। वह उससे पहले पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप के दौरान भारत में अपनी बल्लेबाजी की छाप छोडने में सफल रहे।

रचिन ने कहा, 'यह एक अलग प्रारूप है लेकिन किसी भी प्रारूप में अच्छा खेलना आपको विश्वास दिलाता है कि आप दुनिया के इस हिस्से में प्रदर्शन कर सकते हैं। मुझे लगता है कि यह (टेस्ट क्रिकेट) पूरी तरह से एक अलग चुनौती है और यह ऐसी चीज है जिसका मैं वास्तव में इंतजार कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'जैसा कि आपने देखा, वे दो टूर्नामेंट (वनडे विश्व कप और आईपीएल) अद्भुत थे। दर्शकों का जुनून और इस खेल को लेकर काफी चर्चा होती है। इसलिए, मैं यहां एक पूर्ण श्रृंखला के लिए उत्साहित हूं।' इस 24 साल के खिलाड़ी ने कहा कि उनकी टीम को भारत के दृष्टिकोण के बारे में चिंता करने के बजाय अपनी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित रखना होगा। उन्होंने कहा, 'वे जिस तरह का क्रिकेट खेलते हैं वह बहुत सकारात्मक है। उन्होंने विदेशी परिस्थितियों में भी पिछले कुछ वर्षों में अपने खेल में काफी सुधार किया है।' उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के खिलाड़ी के तौर पर हमारे लिए यह जरूरी नहीं कि हम प्रतिद्वंद्वी के रवैये को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दे।

हम जानते हैं कि वे कितनी शानदार टीम हैं। मुझे लगता है कि अगर हम अपनी योजना के मुताबिक खेलने में सक्षम रहे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं, तो उम्मीद है कि इसका परिणाम जीत होगा।' भारत दौरे से पहले हालांकि न्यूजीलैंड को श्रीलंका को दो मैचों की श्रृंखला में 0-2 की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इससे पहले भारत के ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान के खिलाफ उनका टेस्ट मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। रचिन को भरोसा था कि टीम भारत के खिलाफ उन अनुभवों से सीख सकती है। उन्होंने कहा, 'हमने श्रीलंका श्रृंखला के दौरान वास्तव में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया था, परिणाम हालांकि हमारे पक्ष में नहीं रहा।

टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप में भारत ए के कप्तान होंगे तिलक वर्मा

एजेंसी
नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा 18 से 27 अक्तूबर तक ओमान में होने वाले टी20 इमर्जिंग टीमों के एशिया कप में भारत ए के कप्तान होंगे जबकि अभिषेक शर्मा उपकप्तान होंगे। इक्कीस वर्ष के वर्मा के पास चार वनडे और 16 टी20 मैचों का अनुभव है जबकि शर्मा आठ टी20 मैच खेल चुके हैं। टीम में लेग स्पिनर राहुल चाहर भी हैं। भारत ए टीम में आईपीएल के कई सितारे हैं जिनमें पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के अनुज रावत, लखनऊ सुपर जाइंट्स के आयुष बडोनी और कोलकाता नाइट राइडर्स के रमनदीप सिंह शामिल हैं। गेंदबाजी में वैभव अरोड़ा (केकेआर), आर साइ किशोर (गुजरात टाइटंस), रितिक शोकीन (मुंबई इंडियंस) और रसिख सलाम (दिल्ली कैपिटल्स) नजर आयेंगे।

भारत ए टीम को ग्रुप बी में रखा गया है और उसे 19 अक्तूबर को पाकिस्तान से पहला मैच खेलना है। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका की ए टीमें हैं। पहली बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जा रहा है जबकि अब तक 50 ओवरों का ही होता था।

भारत ए टीम:

तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, निशांत सिंधू, रमनदीप सिंह, नेहाल वढेरा, आयुष बडोनी, अनुज रावत, साइ किशोर, रितिक शोकीन, राहुल चाहर, वैभव अरोड़ा, अंशुल कंबोज, आकिब खान, रसिख सलाम।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया की अगुवाई करेंगे कमिंस

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के नियमित कप्तान पैट कमिंस पाकिस्तान के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला में फिर से अपने देश की अगुवाई करेंगे। पिछले साल नवंबर में भारत में विश्व कप जीतने के बाद यह पहला अवसर होगा जबकि कमिंस वनडे टीम की कमान संभालेंगे। टेस्ट टीम में कमिंस के नियमित साथी तेज गेंदबाजों जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क को भी ऑस्ट्रेलिया की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। सितंबर में स्कॉटलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टी20 श्रृंखला में रन बनाने के लिए जूझने वाले सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क को एक और मौका दिया गया है। मैकगर्क स्कॉटलैंड के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि एक मैच में उन्होंने 16 रन बनाए थे। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 30 गेंद पर 50 रन बनाए लेकिन इसके बाद उन्हें पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए नहीं चुना गया था।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स की पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की टीम में वापसी

एजेंसी
मुल्तान

पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में मंगलवार से यहां खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की अंतिम एकादश में वापसी हुई है। स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण अगस्त से टीम से बाहर थे। इस श्रृंखला के पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को एक पारी और 47 रनों से हराया था।

इंग्लैंड की एकादश में गस एटकिंसन की जगह तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को शामिल किया गया है। स्टोक्स ने तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की जगह ली है जबकि टीम ने दोनों स्पिनरों शोएब बशीर और जैक लीच को अपनी एकादश में बरकरार रखा है। इंग्लैंड टीम प्रबंधन के अनुसार स्टोक्स ने पिछले कुछ दिनों में नेट सत्र के दौरान बिना किसी परेशानी के गेंदबाजी और बल्लेबाजी की है। चिकित्सा विशेषज्ञों ने उन्हें वापसी के लिए मंजूरी दे दी है। इस 33 साल के हरफनमौला को अगस्त में 'द हंड्रेड' में खेलते समय चोट लगी थी। वह इस चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू श्रृंखला के बाद पाकिस्तान के इस दौरे के शुरूआती टेस्ट को नहीं खेल सके थे। पाकिस्तान ने अभी तक अपनी अंतिम एकादश की घोषणा नहीं की है। चयनकर्ताओं ने हालांकि रविवार को बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को शेष दो टेस्ट से बाहर कर दिया। इसके साथ ही सरफराज अहमद को भी टीम से बाहर कर दिया।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में चौथे नंबर पर लौटेंगे स्मिथ

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में अपने पसंदीदा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के इस साल संन्यास लेने के बाद से स्मिथ स्वेच्छा से पारी का आगाज कर रहे थे। उन्होंने नई भूमिका में दूसरे ही टेस्ट में नाबाद 91 रन बनाये लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने चार पारियों में कुल 51 रन ही बनाये। बेली ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, 'पैट कमिंस, एंड्रयू मैकडोनाल्ड और स्टीव स्मिथ से लगातार बात हो रही है। स्टीव ने पारी की शुरूआत की बजाय नीचे उतरने की इच्छा जताई है। पैट और एंड्रयू ने पुष्टि की कि वह इस सत्र में बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरेगा।' बेली ने यह नहीं बताया कि वह किस नंबर पर उतरेंगे लेकिन उनका चौथे नंबर पर उतरना तय लग रहा है। ऐसा इसलिये भी है क्योंकि उनकी जगह चौथे नंबर पर उतरने वाले कैमरन ग्रीन कमर की सर्जरी के कारण छह महीने तक मैदान से बाहर रहेंगे।

जितना जोखिम, उतना फायदा, बल्लेबाजों पर नहीं लगाएंगे लगाम: गौतम गंभीर

एजेंसी
बेंगलुरु

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोमवार को यह स्पष्ट किया कि वह टेस्ट क्रिकेट में अपने बल्लेबाजों पर लगाम नहीं लगाएंगे क्योंकि जितना अधिक जोखिम लिया जाएगा उतना ही फायदा भी होगा। भारत ने हाल में बारिश से प्रभावित कानपुर टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ इसी तरह का रवैया अपनाया था। इस मैच में बारिश के कारण दो दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी थी लेकिन भारत ने आखिर में सात विकेट से जीत दर्ज की थी। गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला से पूर्व संवाददाताओं से कहा, 'हमें उन पर लगाम लगाने की क्या जरूरत है। अगर वह नैसर्गिक क्रिकेट खेल सकते हैं, अगर वह एक दिन में 400 से 500 रन बना सकते हैं तो इसमें क्या गलत है। हम 'जितना अधिक जोखिम उतना फायदा, जितना जोखिम उतनी असफलता की संभावना' का रवैया जारी रखेंगे।' उन्होंने

कहा, 'कोई ऐसा दिन भी होगा जब हमारी टीम 100 रन पर आउट हो जाए लेकिन हमें इसे स्वीकार करना होगा। हम अपने खिलाडियों का जोखिम से भरी क्रिकेट खेलने के लिए समर्थन जारी रखेंगे। हम इसी तरह से आगे बढना चाहते हैं तथा कैसी भी परिस्थिति हो परिणाम हासिल करना चाहते हैं।' गंभीर ने हालांकि तुरंत ही कहा की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना उनकी टीम के लिए आगे भी महत्वपूर्ण बना रहेगा। उन्होंने कहा, 'मैंने चेन्नई में कहा था कि हम एक ऐसी टीम चाहते हैं जो एक दिन में 400 रन बनाए तथा दो दिन तक बल्लेबाजी करके मैच ड्रॉ करा सके। इसे ही आगे बढना कहा जाता है। इसे परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना कहा जाता है। यही टेस्ट क्रिकेट है।

अचानक से लग जाए भूख तो मंचिंग के लिए घर पर बनाएं टेस्टी बनाना चिप्स

काम कर रहे हों, मूवी देख रहे हों या फिर किसी के साथ बैठकर बातें कर रहे हों तो क्या आपको भी साथ में मंचिंग के लिए कुछ ना कुछ चाहिए होता है. लेकिन इस मंचिंग के लिए खाने वाली चीजों में आप क्या खा रहे हैं इस बात का ध्यान रखना जरूरी होता है, क्योंकि आपकी ये आदत आपके वजन बढ़ने का कारण बन सकती है. इसलिए बेहतर होगा कि आप घर पर बनाई हुई चीजों को ही मंचिंग के लिए खाएं. आज हम आपको एक ऐसे ही टेस्टी और हेल्दी स्नैक बनाने की रेसिपी बताने जा रहे हैं. आप केले के चिप्स तो जानते ही होंगे. ये खाने में बेहद टेस्टी होते हैं.
क्या आप भी इनको बाहर से खरीदकर खाते हैं तो आज के बाद आपको ऐसा नहीं करना पड़ेगा. अब से आप ये टेस्टी स्नैक आइटम घर पर बना सकते हैं. आइए जानते हैं इन्हें घर पर कैसे बनाएं.

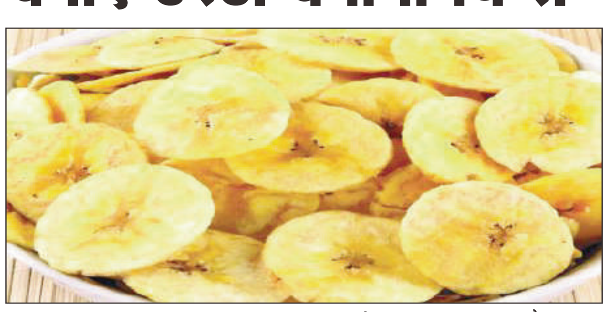

सामग्री

कच्चे केले
नारियल तेल
नमक
लाल मिर्च
हल्दी
पानी

विधि

सबसे पहले केले को छीलकर उनको छोटे-छोटे एक आकार के पीस में कट कर लें.
अब एक बर्तन में केले लें, उनमें नमक, हल्दी और पानी डालकर मिला दें और कुछ देर के लिए रख दें. तकरीबन 5-10 मिनट बाद केलों को पानी से अलग कर लें, और पानी सूख जाने पर उनको फ्राई कर लें.
दोनों तरफ से गोल्डन होने तक फ्राई करें और फिर एक बर्तन में निकाल लें.
इसमें ऊपर से लाल मिर्ट डालकर मिक्स कर दें.
टेस्टी और हेल्दी बनाना चिप्स बनकर तैयार हैं।

सुबह में खाएं फ्राई रवा इडली, बिना सांभर के भी लगेगी लाजवाब, नहीं भूलेंगे इसका स्वाद

हर रोज एक जैसा नाश्ता खाना कोई नहीं चाहता है. ऐसे में अगर आप भी ब्रेकफास्ट में कुछ अलग खाने का मन रखते हैं तो इस बार नाश्ते में फ्राइड रवा इडली की रेसिपी ट्राई कर सकते हैं. इसके लिए आपको सांभर की नहीं, बल्कि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले चंद मसालों की ही जरूरत होगी. इतना ही नहीं कम लागत और कम समय में झटपट तैयार होने वाली फ्राई रवा इडली को बनाना भी बेहद आसान है.

फ्राई रवा इडली बनाने के लिए आपको चावल भिगोने और पीसने जैसे झंझट की जरूरत नहीं होगी. साथ ही बिना सांभर के भी आपको इडली का ऐसा टेस्ट आएगा कि महीनों तक आप इसके स्वाद को भूल नहीं पाएंगे.

आइए जानते हैं फ्राइड रवा इडली बनाने की रेसिपी.

सामग्री

फ्राई रवा इडली बनाने के लिए सूजी यानी रवा 2 बड़ी कटोरी, दही 1 कटोरी, ईनो-1/2 पैकेट, राई के दाने 1/2 चम्मच, हरी मिर्च-2-3, हरी धनिया कटी हुई-2 चम्मच, नमक- स्वादानुसार, पिसी लाल मिर्च-स्वादानुसार ले लें।

विधि

फ्राई रवा इडली बनाने के लिए सबसे पहले रवा यानी सूजी में दही मिक्स करें. फिर इसमें आधा कप पानी मिक्स करके गाढ़ा बैटर तैयार कर लें. फिर इस पेस्ट को दो मिनट तक चम्मच से अच्छी तरह से चलाएं और दस मिनट के लिए ढककर रख दें. अब इडली मेकर में थोड़ा सा रिफाइंड तेल अप्लाई करके साइड में रख लें. फिर कुकर की सीटी निकाल दें और कुकर में थोड़ा सा पानी डालें, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि इडली मेकर पानी में डूबे नहीं. अब गैस को ऑन करें और कुकर के पानी को गर्म होने दें. इसके बाद इडली के बैटर में ईनो मिक्स करें और चम्मच से अच्छी तरह से चलाएं.

फिर इस बैटर को इडली मेकर के हर सांचे में भर दें. लेकिन इनको ऊपर तक न भरकर थोड़ा सा खाली छोड़ दें, जिससे इडली को फूलने के लिए जगह मिल सके. अब इडली मेकर को कुकर में रखकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें. इस दौरान गैस की फ्लेम को मीडियम पर रखें. अब 8-10 मिनट के बाद गैस को बंद कर दें और कुकर के ढक्कन को हटा दें. फिर किसी छुरी या चम्मच को इडली में लगाकर प्रेस करें. अगर इडली का बैटर छुरी या चम्मच में चिपके नहीं तो समझ लें कि इडली पक चुकी है.

फ्राई का तरीका

अब इडली को फ्राई करने के लिए पहले इडली को टुकड़ों में कट कर लें. फिर कढ़ाही को गैस पर रख कर इसमें दो चम्मच रिफाइंड डालें. इस समय गैस की फ्लेम को लो पर रखें. जब रिफाइंड गर्म हो जाये तो इसमें राई और कटी हुई हरी मिर्च एड करें. जब राई चटकने लगे तो इसमें इडली डालें और अच्छी तरह से चलाएं. फिर नमक, मिर्च और हरी धनिया डालें. जब इडली ब्राउन होने लगे तो गैस को बंद कर दें और इडली को गर्मागर्म सर्व करें. आप इसको हरी चटनी या टमैटो सॉस के साथ सर्व कर सकते हैं।

ये दो स्नेक्स रेसिपी हेल्थ और स्वाद दोनों को बनाएंगी बेहतर

> अक्सर हम मखानों को भून कर या खीर के साथ खाते हैं लेकिन आप इन्हें स्नैक के रूप में भी परोस सकती हैं। मखाने हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं।

हमें कुछ ऐसा खाना और खिलाना चाहिए जो सेहत के लिए तो अच्छा हो ही साथ ही स्वाद में भी अच्छा हो। इसलिए आज हम आपके लिए लाए हैं 2 ऐसी रेसिपी जिन्हें आप सुबह शाम कभी भी सर्व कर सकती हैं और यह खाने वाले को भी बहुत पसंद आएंगी। आइए जानते हैं इन रेसिपीज के बारे में।

अक्सर हम मखानों को भून कर या खीर के साथ खाते हैं लेकिन आप इन्हें स्नैक के रूप में भी परोस सकती हैं। मखाने हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं। बनाने में आसान और खाने में लाजवाब यह गुड़ वाले मखाने जो भी एक बार खाएगा तो बार बार मांगेगा और पूछेगा की कहां से लाए इतने टेस्टी मखाने? तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं जाते हैं गुड़ वाले मखाने।

सामग्री

मखाने- 2 कटोरी
गुड़- 1 कटोरी (चूरा किया हुआ)
घी- 1 चम्मच

विधि

एक पैन लें और उसमें घी गर्म कर लें।
अब पैन में मखाने डालें और उन्हें अच्छे से भून लें।
मखानों के भून जाने के बाद उसमें चूरा किया हुआ गुड़ डालें और अच्छे से घुमाएं।
जब मखाने और गुड़ अच्छे से मिल जाए तो उन्हें एक प्लेट में निकाल दें।
गुड़ के कारण चिपके हुए सभी मखानों को अलग-अलग कर दें और उन्हें ठंडा होने दें।
लीजिए तैयार है आपके गुड़ वाले मखाने, जिन्हें आप सनैकिंग टाइम पर सर्व कर सकती हैं।

गुड़ वाले रोस्टेड बादाम

बादाम हमारे लिए कई रूपों में फायदेमंद होता है। अक्सर दिमाग तेज करने के लिए सबसे पहले बादाम खाने की सलाह दी जाती है। तो क्यों न बादाम से ही एक मजेदार स्नैक्स बनाया जाए और खाया जाए। आज हम आपके लिए लाए हैं बादाम से बना स्नैक्स जो स्वादिष्ट भी और हेल्दी भी। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाया जाता है यह स्नैक्स।

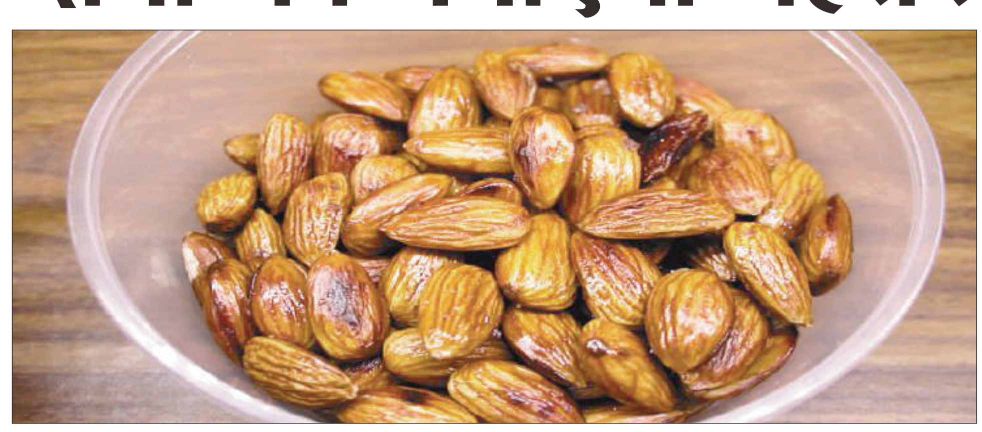

सामग्री

बादाम 2 कटोरी
गुड़- 1 कटोरी (चूरा किया हुआ)
घी- 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी को गर्म कर लें।
अब पैन में बादाम डाल कर उन्हें अच्छे से भून लें।
बादाम जब अच्छे से भून जाएं और कुरकुरे हो जाएं तो इसमें गुड़ मिला दें।
अब गुड़ और बादाम (बादाम से तैयार शानदार रेसिपीज) को अच्छे से मिक्स होने दें।
जब यह अच्छे से मिक्स हो जाए तो इन्हें एक प्लेट में निकाल ले और अलग अलग कर दें।
लीजिये तैयार है आपके स्नैक्स। अब इन्हें ठंडा होने दें और परोसें।

नोट- आप चाहे तो अन्य ड्राई फ्रूट्स से भी इसी तरह के स्नैक्स बना सकती हैं। यह बनाने में आसान है और आपका समय भी बचेगा।

मेयर कुलदीप कुमार और पार्षदों ने धनास और 3 बीआरडी में एसटीपी का किया दौरा

अंतिम निर्णय के लिए शीघ्रातिशीघ्र मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

नगर निगम के पार्षदों की एक समिति ने सोमवार को मेयर कुलदीप कुमार के नेतृत्व में ईडब्ल्यूएस कॉलोनी धनास और 3बीआरडी स्थित दो सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का दौरा किया। पार्षदों की समिति ने पुनरुद्धार के लिए प्रस्तावित मौजूदा इकाइयों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और उसका जायजा लिया। मेयर के साथ पार्षदों की समिति जिसमें सौरभ जोशी, दलीप शर्मा, सचिन गालव, प्रेम लता, तरुणा मेहता, मोहिंदर कौर व नगर निगम के अधिकारी शामिल थे। इन दोनों एसटीपी के विकास के लिए 16.40 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति के बाद मेयर द्वारा समिति का गठन किया गया था और इस आशय का एजेंडा 27 अगस्त, 2024 को आयोजित 338वीं जनरल हाउस

पार्षदों की समिति ने पुनरुद्धार के लिए प्रस्तावित मौजूदा इकाइयों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की

मीटिंग के समक्ष रखा गया था, जहां पार्षदों ने विकास के लिए प्रस्तावित मौजूदा इकाइयों की वास्तविक स्थिति और हालत का आकलन करने के लिए इन एसटीपी के स्थल का दौरा करने का निर्णय लिया था। संबंधित कार्यकारी अभियंता द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि इन एसटीपी को वर्ष 2013 में चालू किया गया था और बाद में वित्तीय वर्ष 2017-18 में, इक्वलाइजेशन टैंक और डिस्क फिल्टर का निर्माण करके एसटीपी के उपचारित अपशिष्ट की गुणवत्ता में सुधार के लिए अतिरिक्त कार्य किए गए थे। इंजीनियरों ने बताया कि चूंकि वर्ष

2012-13 में किए गए इलेक्ट्रिकल एवं मेकेनिकल मशीनरी के मूल कार्यों को अपग्रेडेशन की आवश्यकता है, इसलिए इस संबंध में एजेंडा अनुमोदन के लिए जनरल हाउस के समक्ष रखा गया है। पार्षदों की समिति ने इलेक्ट्रिकल एवं मेकेनिकल सहित कार्यप्रणाली और मशीनरी का जायजा लिया तथा अंतिम निर्णय के लिए शीघ्रातिशीघ्र मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया। गौरतलब है कि सदन में आए प्रस्ताव में शहर के सीवरेज और एसटीपी नेटवर्क को सुधारने की योजना पर जोर दिया गया था, ताकि शहर के जल निकासी और सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान पार्षदों ने मांग की थी कि वे पहले इन संयंत्रों की साइट पर जाकर वास्तविक स्थिति को देखें और उसके बाद ही कोई निर्णय लिया जाए। इसी मांग के आधार पर, मेयर ने इस दौरे को स्वीकृति दी है, ताकि पार्षद अपनी आंखों से इन सुविधाओं की स्थिति का निरीक्षण कर सकें और भविष्य के लिए उचित वित्तीय योजना तैयार की जा सके। 3 बीआरडी और धनास के पास स्थित एसटीपी शहर के बड़े हिस्से की सीवेज ट्रीटमेंट जरूरतों को पूरा करते हैं। इन प्लांट्स का काम शहर से आने वाले अपशिष्ट जल का उपचार करना और इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। लेकिन, समय के साथ इन प्लांट्स की क्षमता और कार्यप्रणाली में कई चुनौतियां आई हैं, जिनमें तकनीकी सुधार, विस्तार, और नवीन तकनीकों को शामिल करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

ट्रांसजेंडर समुदाय के समर्थन के लिए अनुराधा चगती द्वारा मेगा कैंप का किया उद्घाटन

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

यूटी प्रशासन की सामाजिक कल्याण सचिव अनुराधा चगती ने सोमवार को यूटी गेस्ट हाउस, सेक्टर-6, चंडीगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा आयोजित मेगा कैंप का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में अनुराधा चगती ने समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता व्यक्त की और भाग लेने वाले अधिकारियों को समुदाय के सदस्यों को तत्काल, मौके पर सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से सीधे संपर्क किया, उनकी चिंताओं को सुना और गरिमा और सहजता के साथ सुलभ सहायता प्रदान करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार तथा चंडीगढ़ के ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के गैर-आधिकारिक सदस्यों के सहयोग से आयोजित इस शिविर ने ट्रांसजेंडर समुदाय को आवश्यक सरकारी लाभ और सेवाओं तक पहुँचने में सहायता करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, नगर निगम, यूआईडीएआई (आधार), खाद्य एवं आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, परिवहन विभाग, चुनाव कार्यालय, क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, पंजाब नेशनल बैंक, एसएसपीएस और चंडीगढ़ कल्याण विभाग (डब्ल्यूसीडी/एससी/बीसी) सहित कई प्रमुख विभाग एक साथ आए। शिविर का लक्ष्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना था, ताकि उन्हें पहचान पत्र, मतदाता पहचान पत्र, आधार, राशन कार्ड, रोजगार पंजीकरण और बस पास जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त, शिविर में चिकित्सा जांच पंजीकरण, विकलांग व्यक्तियों के लिए यूडीआईडी कार्ड जारी करने, वरिष्ठ नागरिक कार्ड जारी करने की सुविधा प्रदान की गई और कानूनी मार्गदर्शन और एड्स नियंत्रण जानकारी दोनों प्रदान की गईं। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 और नियम, 2020 के अनुरूप रियायती ऋण और कौशल विकास पाठ्यक्रमों के लिए सहायता भी उपलब्ध थी। चंडीगढ़ के ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के सदस्य धनंजय चौहान ने भी ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की। शिविर में अधिकारियों और समुदाय के सदस्यों सहित लगभग 70 व्यक्तियों ने भाग लिया, जो ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए आवश्यक संसाधनों और सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीएम योगशाला लोगों को शारीरिक और मानसिक समस्याओं से दिला रही राहत

सिटी दर्पण
मोहाली

राज्य सरकार द्वारा प्रदेशवासियों की जीवनशैली में स्वस्थ परिवर्तन लाने के लिए मुख्यमंत्री योगशाला के तहत शुरू किए गए प्रयासों से आम लोगों को योग के माध्यम से दैनिक कठिनाइयों से राहत मिल रही है। एक्सटेंशन पार्क, सेक्टर 80, वन राइज सोसाइटी, सेक्टर 99, एमआर सोसाइटी, सेक्टर 105, वेव एस्टेट, सेक्टर 85 और गोल्डन टोन सोसाइटी, सेक्टर 80, मोहाली में सुबह और शाम की कक्षाएं संचालित करने वाले एक योग प्रशिक्षक कपिल चौधरी कहते हैं कि 150 से 200 उनके पास रोजाना लोग योग सीखने आते हैं। उनका कहना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग कई तरह की शारीरिक और मानसिक बीमारियों से जूझ रहे हैं और इनसे राहत के लिए योग को सबसे अच्छा उपाय मानते हैं। कपिल के मुताबिक, उनकी योगा क्लास में आने वाली शिखा मिश्रा थायराइड की समस्या से पीड़ित थीं, लेकिन अब योगा क्लासेज करने के बाद उन्हें राहत महसूस होने लगी है। इसी तरह, कई लोग जो जोड़ों के दर्द, फ्रोजन शोल्डर जैसी समस्याओं से पीड़ित हैं, उन्हें भी अब बड़ी राहत महसूस हो रही है। कपिल ने कहा कि योग को जीवन का हिस्सा बनाकर हम विभिन्न आसनों की मदद से ही कई ऐसी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं जो हमें शारीरिक या मानसिक रूप से परेशान करती हैं। जिला योग पर्यवेक्षक प्रतिमा डावर के अनुसार, सीएम की योगशाला उन हजारों लोगों के लिए आशा की किरण बन गई है, जो अपनी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का इलाज कराकर निराश हो गए थे। उन्होंने कहा कि योग कक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है और कोई भी व्यक्ति मुख्यमंत्री के योगशाला पोर्टल पर जाकर इसके लिए पंजीकरण करा सकता है।

जागरूकता के लिए कानूनी शिविर आयोजित

पंचकूला। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजय कुमार घनघस ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग तथा सदस्य सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एस.पी. सिंह तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वी.पी. सिरोही, पंचकूला के मार्गदर्शन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पिंजौर में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), जिला विकास पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) महिला बाल संरक्षण ने शिविर में भाग लिया। जिला शिक्षा अधिकारी से शिक्षक, पुलिस उपायुक्त से पुलिस अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग से आशा वर्कर, जिला कार्यक्रम अधिकारी से आंगनवाड़ी वर्कर, जिला विकास पंचायत अधिकारी से सरपंच, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, महिलाओं के प्रति क्रूरता, यौन उत्पीड़न, अपहरण, एसिड अटैक के बारे में जागरूकता साहित्य भी प्रतिभागियों के बीच वितरित किया और अवगत करवाया।

डिप्टी कमिश्नर द्वारा डेराबस्सी मंडी में खरीद का निरीक्षण

सिटी दर्पण
डेराबस्सी

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन सोमवार को डेराबस्सी मंडी का दौरा किया और धान खरीद का जायजा लिया। उन्होंने दोहराया कि जिले की मंडियों में धान बेचने में किसानों को कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि कल शाम तक जिले की मंडियों में 42501 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है जिसमें से 40259 मीट्रिक टन उपज की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि धान की खरीद लगातार चल रही है और इसमें कोई छुट्टी नहीं है। उन्होंने कहा कि कल तक जिले के किसानों को 84.03 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। डिप्टी कमिश्नर ने एजेंसियों को लिफ्टिंग में तेजी लाने के आदेश दिए और कहा कि बाजारों में भीड़भाड़ रोकने के लिए लिफ्टिंग में तेजी लाई जाए. उन्होंने कहा कि जिले की कुछ अन्य मंडियों को खरीद कार्य के लिए एफसीआई को सौंप दिया गया है ताकि वहां से उठान किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि धान खरीद को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिला प्रशासन प्रतिदिन सुबह खरीद कार्यों की समीक्षा करता है और बैठक में उपस्थित एजेंसियों के प्रतिनिधियों से मंडियों में आने वाली कठिनाइयों और बाधाओं के बारे में पूछकर उन्हें दूर करता है। इस मौके पर उन्होंने मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से बातचीत की। उनकी समस्याएं जानने और उन्हें जल्द दूर करने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक विजय कुमार सिंगला भी उपस्थित थे।

उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही आज

पंचकूला। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम सर्कल फोरम पंचकूला के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही 15 अक्तूबर को सुबह 11.30 बजे से अधीक्षण अभियंता, पंचकूला के कार्यालय, एससीओ नंबर-96, पहली मंजिल, सेक्टर-5, पंचकूला में की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए बिजली विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि मंच के सदस्य, पंचकूला जिले के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की समस्याओं की सुनवाई करेंगे जिनमें मुख्यतः बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनैक्शन काटने और जोड़ने बिजली आपूर्ति में बाधाएं, कार्यकुशलता, सुरक्षा, विश्वसनीयता में कमी और हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के आदेशों की अवहेलना आदि शामिल हैं।

वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए एंट्री का अँतिम दिन आज

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

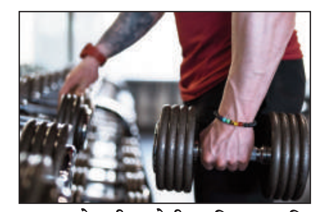

चंडीगढ़ यूटी स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने सब-जूनियर और जूनियर वर्ग के लिए वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप का आयोजन करने की घोषणा की है। यह प्रतियोगिता 18 और 19 अक्टूबर को सेक्टर-42 के स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। शहर के एथलीट्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मंगलवार तक अपनी एंट्री कर सकते हैं। इच्छुक खिलाड़ी अपनी एंट्री sportsdptt.chd.gov.in वेबसाइट पर जमा कर सकते हैं, या फिर सेक्टर-42 और सारंगपुर स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में कोचों से संपर्क कर सकते हैं। इस चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार की एंट्री फीस नहीं ली जाएगी। चंडीगढ़ के निवासी और यहां पढ़ाई कर रहे एथलीट इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। हालांकि, उन्हें अपने पहचान और एज सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। सब-जूनियर वर्ग के लिए खिलाड़ियों की उम्र 01 जनवरी 2007 से 31 दिसंबर 2011 के बीच होनी चाहिए, जबकि जूनियर वर्ग में 01 जनवरी 2004 से 31 दिसंबर 2009 के बीच जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इसके अलावा चंडीगढ़ की पेंचक सिलाट एसोसिएशन ने 19 और 20 अक्टूबर को सेक्टर-19 स्थित महाराष्ट्र भवन में छठी प्री-टीन, सब-जूनियर और जूनियर पेंचक सिलाट स्टेट चैंपियनशिप (पुरुष और महिला वर्ग) आयोजित करने का ऐलान किया है। पेंचक सिलाट एक पारंपरिक मार्शल आर्ट है जो मुख्य रूप से दक्षिण पूर्व एशिया के देशों, विशेष रूप से इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रुनेई और सिंगापुर में प्रचलित है। इसमें शरीर के किसी भी हिस्से का इस्तेमाल किया जा सकता है और शरीर के किसी भी हिस्से पर हमला किया जा सकता है।

धान फसल अवशेषों का प्रबंधन करने वाले किसानो को मिलेगें एक हजार रु प्रति एकड

पंचकूला। उपायुक्त डॉ यश गर्ग ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पंचकूला द्वारा पिछले वर्षो के भांति स्टेट प्लान फसल अवशेष प्रबंधन (रइ-82) के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के दौरान फसल धान अवशेषो को खेत में मिलाने या बेलर द्वारा गांठ बनाने वाले किसानो को प्रति एकड 1000/- रू0 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। गर्ग ने कहा कि फसल धान अवशेषों को जलाने से पर्यावरण दूषित होता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सहायक कृषि अभियन्ता, गोपीराम सांगवान द्वारा स्कीम की जानकारी देते हुए बताया है कि किसानों इस स्कीम हेतू विभागीय वैबसाईट agriharyana.gov.in पर 30 नवंबर तक आवेदन करना होगा। इसके लिए किसानों का मेरा फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त किसानों को बेलर द्वारा गांठ बनाने का प्रमाणपत्र भी देना होगा। किसान धान के खेत में हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, हैरो, रोटावेटर, रिवर्सिबल एम0 बी0 प्लो एवं जीरो टिल सीड ड्रिल की मदद से फसल अवशेषो को मिट्टी में मिलाकर अथवा बेलर द्वारा गांठे बनवाकर इस स्कीम का लाभ ले सकते है।

दो नकापोश लुटेरों ने जेवेलरी शॉप में घुसकर पिस्तौल की नोक पर की लूट

सिटी दर्पण
जीरकपुर

लोहगढ़ एरिया में सोमवार दोपहर 2 बजे के आसपास नकापोश दो लुटेरों ने एक जेवेलरी शॉप में घुसकर पिस्तौल की नोक पर लूट की वारदात को दे दिया और मौके से फरार हो गई। लूट की वारदात के दौरान लुटेरों द्वारा दो राउंड हवाई फायर भी किये गए। वारदात को अंजाम देने के बाद लुटेरे अपनी मोटरसाइकिल पर फरार हो गए, भागते वक्त भी लुटेरों ने पीछा कर रहे लोगों पर पिस्तौल तान दी। लुटेरों के भागते वक्त की फुटेज सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना के जानकारी मिलने के बाद जीरकपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इस दौरान एसपी रूरल (दिहाती) मोहाली मनप्रीत सिंह, डीएसपी जीरकपुर जसपिंदर सिंह भी मौके पर पहुंचे। पुलिस को दुकान से एक खोल बरामद हुआ है। जानकारी अनुसार लोहगढ़ एरिया में दिव्या ज्वैलर में दो लुटेरे घुसते है और शॉप का दरवाजा लॉक कर देते है। जिसके बाद शॉप पर मौजूद ज्वैलर सैम सोनी पर पिस्तौल तान कार सामान निकालने के लिए बोलते है। सैम ने बताया कि लुटेरे उसे पिछली तरफ स्टोर में ले गया और उसकी पैर पर दो राउंड फायर कर दिए। लेकिन बचाव हो गया। इस दौरान उसकी साथ मारपीट भी की गई। शॉप से सोने की चेन का डिब्बा और अन्य सामान ले गए। मैने कोशिश करके दरवाजा खोला और शोर मचाया लेकिन लुटेरे भगाने में फरार हो गया। वारदात के दौरान लुटेरे 10 मिनट तक दुकान पर रहे।

डिप्टी मेयर बेदी ने मुख्य सचिव को लिखा मोहाली को भिखारी मुक्त बनाने की मांग को लेकर पत्र

सिटी दर्पण
मोहाली

मोहाली नगर निगम के डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह बेदी ने पंजाब के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मोहाली में भिखारियों की बढ़ती संख्या और उनके द्वारा फैलाई जा रही गंदगी पर नियंत्रण लगाने की मांग की है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। डिप्टी मेयर ने कहा कि इन भिखारियों ने अब मोहाली की मुख्य सड़क पर कब्जा कर लिया है और ये लोग सार्वजनिक पार्कों में नहाते और शौच करते हैं। इसके अलावा शिक्षा के लिए भीख मांगने के लिए छोटे-छोटे बच्चों को आगे लाया जाता है, जो गाड़ियों की खिड़कियां पीटकर भीख मांगते हैं। उन्होंने कहा कि कई भिखारी यह साबित करने के लिए बेंत लेकर चलते हैं कि वे अपंग हैं। लेकिन असल में वे कृत्रिम अपंग हैं और उन्हें कोई बीमारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे मुख्य सड़कों पर ही नशा करते हैं और शराब पीकर शोर मचाते हैं। उन्होंने अपने क्षेत्र बांट रखे हैं और आपस में खूब लड़ते हैं। जिससे पूरे इलाके का माहौल खराब हो रहा है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में वाहनों की संख्या बढ़ जाती है और ये लोग चौक-चौराहों पर तरह-तरह के सामान बेचने और भीख मांगने लगते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार नाबालिग बच्चों को काम करने से रोकती है लेकिन ये लोग नाबालिग बच्चों से भीख मंगवाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि बाजारों में बच्चे भी ऐसा करते हैं और ये लोग बड़ी संख्या में बाजारों के बरामदों में सोते रहे हैं और अब तो मुख्य सड़कों के साथ-साथ फुटपाथों पर भी सोने लगे हैं।

मोहाली जिले में पराली न जलाने को लेकर डीसी और एसएसपी ने किया डेराबस्सी के गांवों का दौरा

सिटी दर्पण
डेराबस्सी

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन और एसएसपी दीपक पारिक ने सोमवार को डेराबस्सी क्षेत्र के गांवों का दौरा किया और किसानों से पराली को आग लगाए बिना संभालने की अपील की। उपायुक्त ने गांव चंडियाला में बेलर से पराली की गांठें बनाने वाले किसान परविंदर सिंह से बात करते हुए उन्हें दूसरों के लिए एक उदाहरण बताया। परविंदर सिंह ने बताया कि बेलर की मदद से वह पिछले तीन-चार साल से हर साल करीब 600 एकड़ पराली इकट्ठा कर उसे साड़ने से बच रहे हैं। जब से डेराबस्सी क्षेत्र में विभिन्न कारखानों ने बॉयलरों में जैविक ईंधन के रूप में पराली का उपयोग करना शुरू कर दिया है, तभी से पराली का निपटान आसान हो गया है। उपायुक्त ने अन्य किसानों से परविंदर से मार्गदर्शन लेने की अपील की और कहा कि जिले में पराली के रखरखाव के लिए पर्याप्त मात्रा में मशीनरी उपलब्ध है, जिसका किसान पराली को निपटाने के लिए आग लगाए बिना अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन ने पराली जलाने की घटनाओं पर कड़ा संज्ञान लिया और इसे सख्ती से रोकने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से रोकने और आसपास के गांवों से पराली प्रबंधन के कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक गांव के पीछे एक नोडल अधिकारी और 10 गांवों के पीछे एक क्लस्टर अधिकारी तैनात किया गया है। एसएसपी दीपक पारिक ने कहा कि पराली जलाने से उठने वाला धुआं दुर्घटनाओं का कारण बनता है, इससे बीमारों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों की परेशानी भी बढ़ती है, इसलिए हमें पर्यावरण और इंसान दोनों की सेहत का ख्याल रखना होगा आदत से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला एवं पुलिस प्रशासन किसानों की पराली निस्तारण की कठिनाई में हर प्रकार की मदद के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए हमें मशीनरी से ही पराली का निस्तारण करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. गुरमेल सिंह और कृषि अधिकारी डेराबस्सी डॉ. दानिश भी मौजूद थे।

ई-कचरा प्रबंधन पर कार्यशाला का नौटियाल ने किया उद्घाटन

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पर्यावरण विभाग, चंडीगढ़ के जलवायु परिवर्तन प्रकोष्ठ ने एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स एंड डेवलपमेंट प्रैक्टिशनर्स और ग्लोबल यूथ फेडरेशन के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय ई-कचरा दिवस के उपलक्ष्य में ई-कचरा प्रबंधन पर दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। 15 अक्टूबर तक आयोजित इस कार्यक्रम में दुनिया भर के विशेषज्ञ बढ़ते ई-कचरा संकट को संबोधित करने और टिकाऊ प्रथाओं की वकालत करने के लिए एक साथ आए। टीसी नौटियाल, आईएफएस ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित किया, जहाँ उन्होंने पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए टिकाऊ ई-कचरा प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उनके मुख्य भाषण ने सभी हितधारकों की पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने की जिम्मेदारी को रेखांकित किया। जलवायु परिवर्तन प्रकोष्ठ का प्रतिनिधित्व करने वाली डॉ. रूपाली जंद्रोतिया ने वैश्विक ई-कचरा चुनौती के अवलोकन के साथ कार्यशाला की शुरूआत की। उद्घाटन सत्र में एपीएसडब्ल्यूडीपी के अध्यक्ष डॉ. सुमित अरोड़ा ने ई-कचरे के सामाजिक और विकासात्मक प्रभावों पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया। आरबीएच ई-वेस्ट रीसाइकिल हब प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली में रणनीतिक नवाचार की निदेशक सुश्री करिश्मा छाबड़ा ने अभिनव रीसाइक्लिंग समाधानों के बारे में जानकारी साझा की। दिन के प्रस्तुतीकरण का समापन करते हुए, पंजाब विश्वविद्यालय के नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी केंद्र की सहायक प्रोफेसर डॉ. रिचा रस्तोगी ठाकुर ने ई-कचरे के मुद्दों के लिए स्थायी समाधान प्रदान करने में नैनोटेक्नोलॉजी की क्षमता पर अपने शोध को साझा किया।

आयोजन

जीजीडीएसडी कॉलेज में 'ओपन बाजार- 3.0' का आगाज

युवा उद्यमियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मिला मंच

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की ओर से सोमवार को कॉलेज की ग्रीन कैंपस कमेटी के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय भव्य 'ओपन बाजार 3.0' का आगाज हुआ जो पूरे क्षेत्र के छात्र उद्यमियों को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित है। इस इवेंट का उद्देश्य युवा इनोवेटर्स और एंट्रेप्रेन्योर्स को बढ़ावा देना है, जिन्होंने अपने व्यवसायों और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए 34 स्टॉल लगाए। इस अनूठी पहल ने युवा इनोवेटर्स को अपने उद्यम प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे यह क्षेत्र का एकमात्र ऐसा बाजार बन गया जो विशेष रूप से छात्र-नेतृत्व वाले व्यवसायों पर केंद्रित है। इस इवेंट में भारी भागीदारी देखी गई, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों और संगठनों के

इनोवेशन और एंट्रेप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए 'ओपन बाजार' में लगाए गए 34 स्टॉल

ओपन बाजार क्षेत्र का एकमात्र ऐसा बाजार बना जो विशेष रूप से छात्र-नेतृत्व वाले व्यवसायों पर है केंद्रित

उभरते उद्यमियों द्वारा 34 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनमें उत्पादों और सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई। ओपन बाजार का उद्घाटन पीएचई लीजिंग लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक एवं डीएवी कॉलेज, जालंधर के पूर्व वाइस-प्रिंसिपल प्रोफेसर वीके सरीन ने किया, जो कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल थे। अपने उद्घाटन भाषण में सरीन ने युवावस्था में उद्यमशीलता कौशल

विकसित करने के महत्व पर बल दिया। जमीनी स्तर पर स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने से युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करने, नवाचार को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों में मजबूत उद्यमशीलता की भावना पैदा करने के लिए 'ओपन बाजार' जैसी पहल आवश्यक है।

सम्मानित अतिथियों में इनोवेशन मिशन पंजाब (आईएम पंजाब) के सीईओ और मिशन डॉयरेक्टर सोमवीर आनंद, एआईसी-आईएसबी के सीईओ नमन सिंघल और पंजाब यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट पार्टनरशिप प्रोग्राम के मानद निदेशक व टेक्नोलॉजी के कोआर्डिनेटर प्रोफेसर मनु शर्मा शामिल थे। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने एक गतिशील मंच बनाने के लिए कॉलेज की सराहना की, जो अकादमिक और वास्तविक दुनिया की उद्यमिता के बीच के अंतर को कम करता है। लगभग 4,000 विटिटर्स की उपस्थिति के कारण बाजार में न केवल अच्छी बिक्री हुई, बल्कि छात्र उद्यमों के लिए महत्वपूर्ण बाजार दृश्यता भी पैदा हुई। इस ओपन बाजार ने शहर के स्टूडेंट्स के बीच पर्यावरण संरक्षण और एंट्रेप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने की भावना को प्रोत्साहित करने के अपने लक्ष्य को पूरा किया। इस आयोजन ने रचनात्मक और प्रतिभाशाली युवा दिमागों को उजागर किया, जो उद्योग, पर्यावरण, समाज और राष्ट्र की सेवा करने के लिए नए विचारों के साथ आए। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल और उन छात्रों पर गर्व व्यक्त किया, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

उन्होंने कहा कि हमारे युवा उद्यमियों की ऊर्जा और रचनात्मकता को देखना प्रेरणादायक है, जिनकी कड़ी मेहनत समुदाय से मिलने वाली उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया में परिलक्षित होती है। यह आयोजन इनोवेशन और एंट्रेप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज के निरंतर प्रयासों और कॉलेज को युवा इनोवेटर्स और एंट्रेप्रेन्योर्स के लिए सबसे पसंदीदा स्थान बनाने के अनुरूप है। ओपन बाजार - 3.0 एक बार फिर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक जीवंत मंच साबित हुआ है। इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के समन्वयक डॉ. विक्रम सागर ने भी स्टूडेंट वॉलंटियर्स और आईआईसी स्टूडेंट बॉडी की उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'ओपन बाजार' की सफलता हमारे छात्र आयोजकों के अथक प्रयासों का परिणाम है। उनके जुनून और प्रतिबद्धता ने इस आयोजन को उद्यमिता का सच्चा उत्सव बना दिया है। दो दिवसीय बाजार से विद्यार्थी उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण व्यवसाय उत्पन्न होने की उम्मीद है, साथ ही उन्हें वास्तविक दुनिया के बाजार की गतिशीलता का अमूल्य अनुभव और जानकारी भी मिलेगी।